

राजस्थान में आपदा प्रभावितों को मानवीय दृष्टिकोण के साथ राहत उपलब्ध कराने का किया जा रहा है काम-गहलोट

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोट ने कहा है कि राज्य सरकार आपदा से प्रभावित प्रत्येक नागरिक के लिए मानवीय दृष्टिकोण के साथ राहत उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है और उसके प्रयास फलस्वरूप केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ नियमों में संशोधन किया है, जिसका प्रदेश के किसानों को फायदा मिलने लगा है। गहलोट शनिवार को रात मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसी भी प्रकार की आपदा में न्यूनतम हानि तथा अधिकतम राहत सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ नॉर्मस में संशोधन किया है। उन्होंने कहा कि श्री गहलोट ने पर लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कृषि आदान-अनुदान को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषि बीमा दावे के विरुद्ध समायोजित करने के प्रबंधन को समाप्त करने की मांग की थी। मुख्यमंत्री के इस आग्रह पर केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ नॉर्मस में संशोधन किया। अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषि बीमा में समायोजन किए बिना सीधे ही प्रभावित किसानों को अलग से इन्पुट सब्सिडी की पूरी राशि भी दी जा रही है। इससे किसानों को इन्पुट सब्सिडी का तत्काल भुगतान होगा तथा फसल बीमा राशि का भी पृथक से भुगतान हो सकेगा। गहलोट ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के पुनर्निर्माण नये क्लेमों का भुगतान शीघ्र करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को 2022-23 की समस्त इन्पुट सब्सिडी भी आगामी 15 सितम्बर तक वितरित किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020-21 से वर्ष 2022-23 के दौरान लगभग 30.15 लाख कार्डधारकों को 2595.57 करोड़ रुपये की इन्पुट सब्सिडी दी गई है, जिसमें वर्ष 2022-23 में 6.82 लाख कार्डधारकों को 800 करोड़ रुपये की इन्पुट सब्सिडी शामिल है। बैठक में विभिन्न आपदाओं के दौरान पूर्व में दी गई तत्काल सहायता एवं स्वीकृतियों का कार्यांतर अनुमोदन भी किया गया। इनमें कोविड-19 से मृत्यु होने पर मृतकों के आश्रितों को एसडीआरएफ से अनुसूचित सहायता के भुगतान के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को वर्ष 2021-22 में 137.56 करोड़ एवं वर्ष 2022-23 में 53 करोड़ रुपये का बजट आवंटन।

जब चाहूं तब फोन पर होती है सीएम योगी जी से बात, शिवपाल सिंह यादव ने खोले दिल के राज

शिवपाल सिंह यादव उन नेताओं में से हैं जो बेबाकी से अपनी बात कहने के लिए जाने जाते हैं। वह सीएम योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत सम्बन्धों को लेकर फिर चर्चा में हैं। शिवपाल का एक वीडियो सामने आया है।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव उन नेताओं में से हैं जो बेबाकी से अपनी बात कहने के लिए जाने जाते हैं। वह एक बार फिर सीएम योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत सम्बन्धों को लेकर चर्चा में हैं। शिवपाल का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह सीएम से अपने व्यक्तिगत सम्बन्धों का जिक्र करते हुए कह रहे हैं कि वह जब चाहें उनसे फोन पर बात कर सकते हैं।



अभी कहीं तो अभी बात हो जाए। हम जब भी फोन करना चाहें तो बात हो जाती है और होनी भी चाहिए। मंत्री रहते हुए हमने भी मदद की है।
घोसी में बोले शिवपाल-दलबदलू हैं दारा शिवपाल सिंह ने यादव ने शनिवार को घोसी ...तो नेताजी ने, अखिलेश यादव ने, हमने भी मदद करी है। तभी तो हमारा ये सम्मान करते हैं।

विधान सभा क्षेत्र में सघन जनसंवाद किया। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव ने विधानसभा क्षेत्र के बरहल, दर्पनारायणपुर, अकोली मुबारकपुर, बीबीपुर, खानपुर, जमालपुर विक्कमपुर, अमिला बाजार समेत अन्य स्थानों पर जन भी तो सम्मान करते हैं। रिपोर्टर के यह पूछने पर कि क्या मुख्यमंत्री आपकी बात सुनते हैं शिवपाल कहते हैं कि बिल्कुल, टेलीफोन पर

प्रयाशी दारा सिंह चौहान ने दलबदल करके घोसी की जनता को धोखा देने का काम किया है। कहा कि दारा सिंह चौहान सत्ता व कुर्सी के लोभ में दल बदलते हैं। इस चुनाव में जनता उनका हिसाब करेगी। शिवपाल यादव ने कहा कि सुधाकर सिंह का इतिहास रहा है कि उन्होंने कभी भी दल नहीं बदला और वे जनता के दुख, दर्द में हमेशा खड़े रहते हैं। कहा कि भाजपा की तानाशाह सरकार से समाज का हर वर्ग त्रस्त हो चुका है। शिवपाल सिंह यादव ने वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिहाज से घोसी विधान सभा उप चुनाव को काफी महत्वपूर्ण बताया। रामगोविंद चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी में ही सभी लोगों का हित सुरक्षित है। रामअचल राजभर ने कहा कि पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों समेत सभी वर्गों के लोग इस बार समाजवादी पार्टी की तरफ काफी आशा भरी नजर लगाए हुए हैं।

परषोत्तम रूपाला ने तमिलनाडु में बहुउद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क की रखी आधारशिला

नई दिल्ली। सागर परिक्रमा के आठवें चरण के तीसरे दिन, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने शनिवार को तमिलनाडु में बहुउद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क की आधारशिला रखी। समुद्री शैवाल पार्क का उद्देश्य तटीय युवा और महिला मछुआरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। कार्यक्रम की शुरुआत परषोत्तम रूपाला, डॉ. एल. मुरगन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वलमावुर, थोडी, रामनाथपुरम में मल्लीपरम सीवीड पार्क स्थल पर भूमि पूजन और शिलान्यास के साथ की गई। वलमावुर में समुद्री शैवाल पार्क स्थल पर पहुंचने से पहले परषोत्तम रूपाला ने सीएमएफआरआई के मंडपम केन्द्र में समुद्री शैवाल की खेती में लगे मछुआरों के समूहों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि समुद्री शैवाल पार्क होने से तमिलनाडु के छह तटीय जिलों नागपट्टिनम, तंजावुर, तिरुवर्णर, पुदुकोट्टई, रामनाथपुरम और थूथुकुडी में 136 तटीय मछुआरी पकड़ने वाले गांवों में समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा मिलेगा। इसमें 8821 लोगों की आजीविका को बढ़ावा देने, टिश्यू कल्चर प्रयोगशालाओं और अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं की स्थापना, तट-आधारित बुनियादी सुविधाओं (सुखाने वाले यार्ड, गोदाम आदि), कोशल विकास और क्षमता निर्माण, भंडारण और विपणन सुविधा, प्रसंस्करण और मूल्य को बढ़ावा देने के लिए जनशक्ति को शामिल किया जाएगा। समुद्री शैवाल पार्क उद्यमों को

प्रसंस्करणकर्ताओं आदि को आवश्यक योजनाओं, लाइसेंस देने के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए एकल खिड़की सहायता के साथ प्रसंस्करण केन्द्र



स्थापित करने के लिए जगह भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देने के अलावा, पार्क समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। जो जीवित रहने के लिए समुद्री शैवाल पर निर्भर हैं जैसे विभिन्न समुद्री प्रजातियों को उजागर करने वाला एक मछलीघर होगा। भारत सरकार का मत्स्य पालन विभाग जमीनी स्तर की चुनौतियों को समझकर मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को मजबूत करने और भारत को जलीय कृषि और मत्स्य पालन निवेश का केंद्र बनाने के लिए कार्यान्वित किए जाने वाले कार्यों के साथ एक रोडमैप तैयार कर रहा है।

स्टालिन के बेटे के बयान पर बखेड़ा, बीजेपी ने इंडिया गठबंधन से मांगा जवाब

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दिया है। उनके बयान पर सियासी बवाल मच गया है। भारतीय जनता पार्टी ने इंडिया गठबंधन से स्टैंड साफ करने के लिए कहा है। वहीं, धर्म गुरुओं ने भी नाराजगी व्यक्त की है। भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने पलटवार करते हुए कहा, स्टालिन INDIA के मजबूत स्तंभ हैं और उनके बेटे सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से कर रहे हैं, उसे खत्म करने की बात कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी और INDIA को अपनी राय स्पष्ट करनी चाहिए वे लोग इकट्ठे हो कर गठबंधन बना रहे हैं या सनातन धर्म को खत्म करने लिए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं? वहीं, राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा, सनातन धर्म को किसी भी कौमत्त पर खत्म नहीं किया जा सकता है।



सनातन धर्म सदियों से अस्तित्व में है और रहेगा। वह (उदयनिधि स्टालिन) सनातन धर्म का वास्तविक अर्थ नहीं समझते हैं, वह जो भी कह रहे हैं वह बिल्कुल गलत है। भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा, ये बयान दुर्भाग्यपूर्ण है इसकी जितनी भी निंदा की जाए वो कम है। क्या INDIA उनके बयान से सहमत है इसका जवाब INDIA को देना चाहिए। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, "INDIA का भारत विरोधी और

कर देना चाहिए वाली टिप्पणी पर महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा, कांग्रेस का रुख साफ है, हम किसी धर्म पर टिप्पणी नहीं करना चाहते या किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं चाहते। हम बाबा साहब अंबेडकर के सर्वधर्म समभाव की भूमिका साथ लेकर चलते हैं, किसने क्या बोला है हमारे हाथ में नहीं है। आपको बता दें कि स्टालिन ने सनातन धर्म को मलेरिया और डेंगू की तरह बताते हुए कहा है कि इसका विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए। सनातन धर्म को खत्म के लिए आयोजित किए गए एक सम्मेलन में बोलते हुए उदयनिधि ने कहा, मुझे विशेष संबोधन देने का अवसर देने के लिए मैं इस सम्मेलन के आयोजकों को धन्यवाद देता हूँ। आपने सम्मेलन का नाम सनातन विरोधी सम्मेलन के बजाय सनातन उन्मूलन सम्मेलन रखा है, मैं इसकी सराहना करता हूँ।

जी 20 की पहली तीन बैठकों में ही उपस्थित हो सके थे शीर्ष नेता

नयी दिल्ली। आगामी जी20 शिखर सम्मेलन में कुछ राष्ट्राध्यक्षों की अनुपस्थिति को लेकर भले ही कुछ अलग तरह की चर्चाएं चल रही हों लेकिन यह भी तथ्य है कि 2008 से अब तक हुए 16 शिखर-सम्मेलनों में से केवल शुरुआती तीन में ही सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों ने भाग लिया था। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की अनुपस्थिति और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बारे में अनिश्चितता को लेकर जी 20 शिखर-सम्मेलन की कामयाबी को लेकर कुछ हलकों में कुछ टीका टिप्पणियों की जा रही है लेकिन पिछले सम्मेलन पर निगाह डाली जाए तो कुछ और तथ्य सामने आते हैं। पिछले रिकॉर्ड से पता चलता है कि वैश्विक शिखर सम्मेलनों में उपस्थिति का स्तर साल-दर-साल बदलता और व्यस्तताओं के चलते हर नेता के लिए हर शिखर सम्मेलन में भाग लेना हमेशा संभव नहीं होता है। कई बार नेता अपने निजी कारणों से शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले पाते हैं। यहां सबसे उदाहरण इटली में वर्ष 2021 का जी20 शिखर सम्मेलन है जहां नेताओं के

लिए इसे छोड़ने का कोई बड़ा भू-राजनीतिक या स्वास्थ्य कारण नहीं था, लेकिन कुछ परिस्थितियां इस तरह से हुई कि 20 सदस्य देशों में से छह देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों की बजाय उनके प्रतिनिधि नेताओं ने भाग लिया था। जानकारी के अनुसार वर्ष 2008 से, जी 20 का प्रत्यक्ष रूप से 16 शिखर सम्मेलनों और एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन (सऊदी अरब, 2020) का आयोजन हो चुका है। वर्ष 2009 और 2010 में दो-दो शिखर सम्मेलन हुए। इन 16 प्रत्यक्ष शिखर सम्मेलनों में से, 2008 और 2009 के पहले तीन शिखर सम्मेलनों को छोड़कर, 2010 से अब तक एक भी अवसर ऐसा नहीं आया जब कि इसमें प्रत्येक देश ने राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष स्तर पर भाग लिया हो। जी 20 शिखर-सम्मेलन के इतिहास को देखें तो छह बार - 2010, 2011, 2012, 2013, 2016, 2017 में एक देश के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष ने भाग नहीं लिया। पांच बार 2010, 2014, 2015, 2018, 2019 में दो देशों के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष नहीं आये।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 7 सितंबर तक भारी बारिश के आसार, आईएमडी का पूर्वानुमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 3 सितंबर के लिए अपना पूर्वानुमान जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, असम और मेघालय के साथ-साथ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आज भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी आज अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, इन दोनों राज्यों में 6 सितंबर तक बारिश का दौर रहेगा। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में 4 से 7 सितंबर तक और मध्य प्रदेश में 7 सितंबर को अलग-अलग जगहों पर भारी होने की पूरी संभावना है। साथ ही विदर्भ में 5-7 सितंबर तक बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, महाराष्ट्र में 3 से 7 सितंबर तक हल्की से भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान बिजली गिरने की भी संभावना है।



हिमाचल में पहाड़ी काटने पर दो सप्ताह का प्रतिबंध हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रभावित इमारतों और सड़कों के पुनर्निर्माण को छोड़कर किसी

भी प्रकार की निजी विकास और निर्माण गतिविधि के लिए पहाड़ी काटने पर 16 सितंबर तक दो सप्ताह के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने शनिवार को

यह जानकारी दी। इसके अलावा, शिमला, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा, सोलन और चंबा जिलों में वाणिज्यिक या पर्यटन इकाइयों के लिए योजना और भवन निर्माण की नई अनुमति पर भी दो सप्ताह के लिए रोक लगा दी गई है। प्रवक्ता ने कहा कि चालू मानसून के मौसम के दौरान, राज्य भर में विनाशकारी भूस्खलन, भूमि धंसवा, नदी-तट विफलता और गंभीर कटाव सहित अभूतपूर्व पर्यावरणीय बाधाएं आई हैं। इससे जीवन और संपत्तियों की दुखद क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन, आवास, बुनियादी ढांचे के लिए अत्यधिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और पहाड़ी राज्य के नाजुक पारिस्थितिक पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और उद्धरण से कानून के मुताबिक निपटा जाएगा।

असम में बहुविवाह पर लगेगा प्रतिबंध, हिमंत बिस्वा सरमा बोले- 45 दिन में लाएंगे विधेयक

दिसपुर। असम सरकार बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए दिसंबर में राज्य विधानसभा में एक विधेयक पेश कर सकती है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हम राज्य में लव जिहाद रोकने के भी लिए विधेयक में कुछ बिन्दु जोड़ेंगे। सरमा ने बहुविवाह को प्रतिबंधित करने के लिए जनता से सोशल मीडिया के जरिए राय मांगी थी। शनिवार को एक बैठक के बाद उन्होंने कहा कि जनता की राय के बाद हम बहुविवाह को समाप्त करने के लिए जल्द ही ठोस कदम उठाएंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को असम के तिनसुकिया में एक सर्वदलीय बैठक को संबोधित किया और कहा कि

राज्य सरकार अगले 45 दिनों में राज्य में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को अंतिम रूप देगी। बहुविवाह एक से अधिक व्यक्तियों (एकाधिक पति/पत्नी) से विवाह करने की प्रथा है। सरमा ने बैठक में कहा, राज्य सरकार बहुविवाह पर प्रतिबंध लगा सकती है या नहीं? इसका विश्लेषण करने के लिए एक कानूनी समिति का गठन किया गया था और हमें सकारात्मक विचार मिले हैं। हमने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए प्रस्तावित विधेयक पर जनता की राय और सुझाव भी मांगे। हमें जवाब में कुल 149 सुझाव मिले हैं। इनमें से 146 सुझाव विधेयक के पक्ष में हैं और वे बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन



करते हैं। हालांकि, तीन सुझावों ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए अपना विरोध व्यक्त किया है। हमारा अगला चरण विधेयक का मसौदा तैयार करना है। उन्होंने कहा, हम अगले 45 दिनों में विधेयक को अंतिम रूप दे देंगे। मुझे लगता है कि मैं इस साल दिसंबर में विधानसभा में विधेयक पेश कर पाऊंगा।

लव जिहाद भी रोकेंगे इससे पहले असम में बहुविवाह को समाप्त करने के लिए कानून बनाने के लिए राज्य विधानमंडल की विधायी क्षमता की जांच करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। समिति ने इस साल 6 अगस्त को अपनी रिपोर्ट

● असम सरकार बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए दिसंबर में राज्य विधानसभा में एक विधेयक पेश कर सकती है।

असम के मुख्यमंत्री को सौंपी। इस बीच मुख्यमंत्री ने आगे कहा, हम राज्य में लव जिहाद को रोकने के लिए विधेयक में कुछ बिन्दु जोड़ेंगे। सरमा ने बहुविवाह को प्रतिबंधित करने के लिए राज्य विधानसभा में एक विधेयक पेश कर सकते हैं।

होगा कि एएफएसपीए को हटाया जाए या नहीं। यह राज्य सरकार का विचार है और केन्द्र सरकार अंतिम विचार करेगी। मैं इस महीने केन्द्र सरकार के साथ इस पर चर्चा करूंगा। इस महीने के अंत में एक ठोस निर्णय लिया जाएगा।

संपादकीय

तीर के कई निशाने

संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा सोशल मीडिया पर संसद का विशेष सत्र बुलाये जाने की सूचना दिये जाने के बाद कई नये विमर्श सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा संसद का यह विशेष सत्र पांच दिनों के लिये 18 से 22 सितंबर के बीच बुलाया गया है। यूं तो विगत में भी कई बार विशेष सत्र बुलाए गए हैं लेकिन जब इस साल पांच राज्यों में विधानसभा और अगले साल कुछ राज्यों की विधानसभा के साथ लोकसभा के चुनाव होने हैं, तो इस विशेष सत्र को लेकर कयासों का बाजार गर्म है। कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार 'एक देश, एक चुनाव' के एजेंडे पर आगे बढ़ सकती है। हालांकि, संसदीय कार्यमंत्री ने विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में कोई संकेत नहीं दिये हैं, लेकिन संसद के विशेष सत्र की घोषणा के बाद 'एक देश एक चुनाव' पर एक समिति बनाये जाने से इन चर्चाओं को बल मिला है। मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 'एक देश एक चुनाव' की संभावना तलाशने के लिये एक समिति गठित की है। संसदीय कार्यमंत्री की दलील है कि समिति इस मुद्दे पर रिपोर्ट तैयार करेगी, उस पर विमर्श होगा, संसद में चर्चा होगी। यह भी कि पुराने व सबसे बड़े लोकतंत्र के सामने नये विषयों का आना व चर्चा होना सामान्य बात है। दलील दी जा रही है कि 1967 तक देश में लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ होते थे, मौजूदा दौर में इस मुद्दे पर चर्चा तो होनी चाहिए। विगत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक देश, एक चुनाव के मुद्दे पर चर्चा करते रहे हैं। इस मुद्दे पर एक सर्वदलील बैठक भी बुलाई गई थी। राष्ट्रपति रहते हुए भी रामनाथ कोविंद ने कहा था कि देश की ऊर्जा व धन की बचत के लिये एक साथ चुनाव होने चाहिए। तर्क दिया गया था कि बार-बार आचार संहिता लागू होने से विकास की प्रक्रिया बाधित होती है। प्रश्न है कि क्या विपक्ष को विश्वास में लिये बिना राजग सरकार इतना बड़ा कदम उठा सकती है? क्या ये संविधान सम्मत है? क्या इस बड़े बदलाव के लिये संसद में राजग के पास जरूरी बहुमत है? राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह सत्र संसद को पुरानी इमारत से नई इमारत में शिफ्ट करने के इरादे से बुलाया जा रहा होगा। संभव है कि कोई अन्य महत्वपूर्ण बिल सरकार पारित करवाना चाहती होगी। दूसरी ओर विपक्षी नेता आरोप लगाते हैं कि सरकार यह कदम ऐसे समय में उठा रही है जब मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल समाप्ति की ओर है। राजग राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के चुनाव परिदृश्य को लेकर चिंतित है। नया मुद्दा राजग को राजनीतिक रूप से लाभ देगा, पार्टी इस सोच के साथ आगे बढ़ रही है। कुछ लोग मानते हैं कि राज्यों में विधानसभा चुनावों को केंद्र आम चुनाव के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। आम चुनावों के साथ भी चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहीं विशेष सत्र में अमृतकाल के दौरान सार्थक चर्चा की बात राजग नेता करते हैं। कयास हैं कि इस दौरान जी-20 शिखर सम्मेलन की उपलब्धि को लेकर भी चर्चा हो सकती है। कयास यह भी हैं कि सरकार इस दौरान महिला आरक्षण बिल भी ला सकती है। बहुत संभव है सरकार घरेलू राजनीति व विश्व जनमत को प्रभावित करने वाले मुद्दों को इस सत्र में ला सकती है। जी-20 सम्मेलन के ठीक बाद होने वाले विशेष सत्र में सरकार चंद्रयान आदि अन्य उपलब्धियों पर चर्चा करा सकती है।

आज का राशीफल

मेष	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विचार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
वृषभ	पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।
मिथुन	जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
कर्क	आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रविष्टि में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशांत रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह	राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन मृत संभव।
कन्या	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।
तुला	जीवन साथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।
वृश्चिक	व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रविष्टि में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कर्जों का सामना करना पड़ेगा।
कुम्भ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
मीन	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

विचारमंथन

(लेखक- सनत जैन)

भारत में मौसम का चक्र बदल गया है 50 साल बाद भयंकर सूखे की आशंका व्यक्त की जा रही है हिमालय क्षेत्र में जहां सबसे कम बारिश होती थी। वहां पर भारी बारिश होने से भूस्वखलन से हजारों मकान जमींदोज हो गए। प्रकृति ने हिमालयन क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचाया है। हिमाचल, उत्तराखंड में कहर देखने को मिला। अनियमित बारिश के कारण देश में 50 साल बाद सबसे बड़े सूखे की आशंका व्यक्त की जा रही है। अगस्त माह में बहुत कम बारिश हुई है। मौसम बदलाव की दो बड़ी वजह वैज्ञानिक बता रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वायुमंडल में ग्रीन हाउस में गैसों की मात्रा बढ़ रही है। फलस्वरूप पृथ्वी

का तापमान बढ़ता ही जा रहा है। अलनीनो मौसमी चक्र है, इसका प्रभाव बारिश पर पड़ रहा है। जब बारिश होनी चाहिए थी, तब बारिश नहीं हुई। जो बारिश हुई, या तो वह समय से पहले हो गई। जिसके कारण फसलों की बुवाई नहीं हो पाई थी। जब फसल बोई गई, उसके बाद पानी नहीं गिरा, फसले सूखने लगी। बांधों में पानी नहीं भर। तापमान अगस्त और सितंबर के माह में बढ़ने लगा। 1 माह पहले मौसम बदलने के कारण सीताफल अमरुद के फल बाजार में आने लगे। कांस में फूल लगने लगे, कांस में फूल तभी लगते हैं जब मानसून की विदाई होने लाती है। आमतौर पर कांस में अक्टूबर माह के बाद फूल लगते हैं। जो इस बार अगस्त में ही दिखने लगे। सारे देश में 12 से लेकर 17

फीसदी औसत बारिश कम हुई है। कई स्थानों पर बारिश 30 से 50 फीसदी तक कम होने से मानसून के साथ-साथ फसल चक्र भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। बारिश नहीं होने से बांध नहीं भरे गए जो फसल किसानों ने वही थी पानी नहीं गिरने से वह सूखने लगी क्योंकि बारिश कम हुई है। बांध नहीं भरे हैं। इसके कारण आगे भी सिंचाई और पेयजल के लिए बड़े संकट की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। अगस्त में 122 साल के बाद सबसे कम बारिश होने का रिकॉर्ड बना है। अभी तक मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में 36 फीसदी कम बारिश होने की सूचना मानसून विभाग ने दी है। मध्य प्रदेश के 32 जिले सूखे की चपेट में हैं। सोयाबीन, मक्का, धान सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। कुछ ऐसी ही

स्थिति छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में देखने को मिल रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अबकी बार सामान्य से 50 फीसदी कम बारिश होने का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी से जो मानसून सक्रिय होता था। वह इस बार बहुत कमजोर है। मौसम वैज्ञानिक सितंबर माह में बारिश होने की संभावना तो व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन मानसून कमजोर होने के कारण पर्याप्त बारिश नहीं होने की कोई संभावना भी व्यक्त कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह कहकर और चिंता बढ़ा दी है कि 50 साल बाद सबसे बड़ा सूखा मध्य प्रदेश में पड़ने की संभावना है। तापमान ज्यादा होने से बिजली की डिमांड बढ़ गई है। फसलों की सिंचाई के लिए पानी की मांग समय के पूर्व बढ़ गई है।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से प्रार्थना की है, कि वह अपनी ओर से भगवान से प्रार्थना करें। बारिश समय पर और अच्छी बारिश हो। मौसम की मार अकेले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ या भारत में देखने को नहीं मिल रही है। दुनिया के लगभग सभी देशों में मौसम का चक्र बड़ी तेजी के साथ बदल रहा है। जहां बारिश नहीं होती थी, वहां तेज बारिश हुई है। जहां ज्यादा बारिश होती थी, वहां सूखा पड़ा हुआ है। बारिश का समय चक्र बदल रहा है। जिसके कारण सारी दुनिया में खाद्यान्न संकट की आशंका भी जताई जाने लगी है। मौसम विज्ञानी कह रहे हैं, कि इस बार 40 से 50 फीसदी बारिश कम होगी। इससे सरकारों के हाथ-पैर फूलने लगे हैं। पिछले कई दशकों से

भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना हुआ था। जरूरत से ज्यादा भंडारण खाद्यान्न का रहता था। पिछले कई वर्षों से हम खाद्यान्न निर्यात भी करने लगे थे। जिस तरह की स्थिति वर्तमान देखने को मिल रही है। उसने सभी को चिंता में डाल दिया है। खाद्यान्न और पेयजल संकट के साथ-साथ बिजली का संकट भी आने वाले समय में, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ सहित सभी राज्यों में तेजी के साथ बढ़ने की संभावना जताई जाने लगी है। देशभर में बढ़े पैमाने पर पूजा-पाठ शुरू हैं। बारिश के लिए टोने-टोटके करके बारिश करने के प्रयास भी आम जनता कर रही है। इसके सार्थक परिणाम अभी देखने को नहीं मिल रहे हैं। जिसके कारण सभी की चिंता स्वाभाविक है। (स्वतंत्र पत्रकार)

न्याय से वंचित हो रहे कानून के छात्र

(लेखक-अनिल बिहारी श्रीवास्तव)

दो बड़ी खबरें आई हैं। मध्य प्रदेश विधि एवं विधायी विभाग ने एक साथ 6 महिला सिविल जजों (क्लास-2) की सेवाएं समाप्त कर दीं। ये सभी प्रोबेशन पीरियड में थीं। फैसला हाईकोर्ट की सिफारिश पर लिया गया। इनकी सेवाओं को संतोषजनक नहीं पाया गया था। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के अनुसार यह रूटीन प्रक्रिया है। प्रोबेशन पीरियड में जिनकी सेवा संतोषजनक नहीं रहती, उनकी नियुक्ति का कन्फर्मेशन नहीं किया जाता है। बात सही है, जब सेवा संतोषजनक नहीं रही तो कन्फर्मेशन किस आधार पर करते? फिर भी कुछ सवाल जेहन में उभरना स्वाभाविक है। मसलन, क्या इन महिलाओं ने सिर्फ स्टूडेंट मार कर सी.जे. चयन प्रक्रिया की दोनों परीक्षाएं यानि प्रिलिम और मेन पास कर ली थीं? क्या उनकी कमजोरियां साक्षात्कार के दौरान सामने नहीं आ पाई? चयन के बाद उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान सीखा क्या था? और अहम सवाल यह है कि उन्हें कथित ट्रेनिंग में सिखाया क्या था? तय मानें, यह उदाहरण कम से कम उन युवाओं को सतर्क कर देगा जो सिविल जज बनने की तैयारी में लगे हैं। दूसरी खबर, मध्य प्रदेश में विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा जारी मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा (भती तथा सेवा शर्तें नियम) 1994 में संशोधन की अधिसूचना से जुड़ी है। अधिसूचना को लेकर हड़कंप सी स्थिति है। फैसले का विरोध होने लगा है। संभव है कि इस फैसले को जल्द ही चुनौती दे दी जाए। ताजा अधिसूचना के अनुसार अब मध्य प्रदेश में सिविल जज बनना आसान नहीं होगा। पात्रता मापदंड के अनुसार अब तीन साल की लॉ प्रैक्टिस करने वाला या पहले प्रयास में एलएलबी पास करने वाला अभ्यर्थी, जिनके 70 प्रतिशत अंक हों, वही सिविल जज की परीक्षा में बैठ सकता है। अनुसूचित जाति और जनजाति के अभ्यर्थी 50 प्रतिशत अंक लाने पर परीक्षा के लिए पात्र माने जाएंगे। सिविल जज बनने के लिए तीन साल की प्रैक्टिस या 70 प्रतिशत अंकों के साथ पहले प्रयास में एलएलबी की परीक्षा पास करने की अनिवार्यता, इन दोनों ही शर्तों का विरोध होने लगा है। कहा जा रहा है कि ये शर्तें उन हजारों युवाओं पर प्रत्यक्ष हमले की तरह हैं जो जिन्होंने सिविल जज बनने के लिए कानून की कठिन पढ़ाई की और अब चयन परीक्षा के लिए तैयारी में लगे हैं। सोशल मीडिया में इस फैसले की आलोचना हो रही है। अकादमिक तर्क दिये गए हैं। यह माना जा रहा है कि तेलंगाना हाईकोर्ट, आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व में दिए गए फैसलों के आधार पर मध्यप्रदेश में ऐसी अनिवार्यता को चुनौती दी जाएगी। एक जानकार का कहना है कि प्रथम प्रयास में ही 70 प्रतिशत अंकों से एलएलबी पास करने की शर्त सिर पर खारिज करने योग्य है। प्रतिष्ठित विधि शिक्षा संस्थानों से निकले स्नातक मानते हैं कि 70 प्रतिशत अंक लाना बेहद कठिन काम होता है। 65 प्रतिशत अंक को ही उपलब्धि माना जाता है। आधा दर्जन ऐसे विधि शिक्षा संस्थान हैं जहां शिक्षण और अध्ययन की गुणवत्ता पर काफी जोर दिया जाता है। वहां 55 से 65 प्रतिशत के बीच अंक बढ़ी बात होती है।

मध्यप्रदेश में सिविल जज पात्रता नियम में शर्त 70 प्रतिशत अंकों तक सीमित नहीं है बल्कि उसके साथ प्रथम प्रयास जैसा रोड़ा लगा दिया गया। शिक्षाविद् जानते हैं कि कई बार मेधावी छात्र भी नियमित परीक्षा नहीं दे पाते हैं जबकि वो 70 प्रतिशत से अधिक अंक पाने की क्षमता रखते हैं। ऐसे छात्रों को सिविल जज बनने से रोकना क्या सही कदम होगा? एक बड़ा व्यावहारिक तर्क दिया गया है। विशेषज्ञ के अनुसार गत दो दशक के दौरान कानून की पढ़ाई के प्रति काफी रुझान देखा गया है। विधि विश्वविद्यालयों ने कानून की पढ़ाई के लिए ललक बढ़ाई है। लेकिन, बदले माहौल में बहती गंगा में हाथ धोने जैसी कहावत को चरितार्थ होते देखा जा सकता है। कई संस्थानों ने न्यूनतम आवश्यक संसाधन जुटा कर अपने यहां कानून की

पढ़ाई शुरू करा दी। छात्रों को आकर्षित करने के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। वहां उपलब्ध शिक्षण स्तर पर कोई टिप्पणी उचित नहीं होगी लेकिन कुछ पर नजर रखने की जरूरत अवश्य महसूस होती है। इनमें से कितने संस्थान गुरुकुल भावना से चलाये जा रहे हैं और कहा शिक्षा की दुकानें खुल गई? प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षण और मूल्यांकन के मामले में रतीभर समझौता नहीं होता होगा किंतु विशुद्ध दुकानों की तरह संचालित संस्थानों में क्या 70 प्रतिशत वाली रेवडी को रोकना संभव हो पाएगा? बड़ा सवाल यह है कि 70 प्रतिशत अंक को 'ब्रिलिएंट' होने की गारंटी कैसे मान लिया जाए? सैकड़ों उदाहरण हैं जिनसे साबित करते हैं कि कितनी ज्ञान की अपनी सीमा है और व्यावहारिक समझ की अपनी व्यापकता। स्कूल-कालेज में अवल रहें छात्रों को भी औसत रहे छात्रों से कॉरिगन की दौड़ में पिछड़ते देखा गया है। एक प्रतिष्ठित लॉ यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र बताता है कि परीक्षा में 80 प्रतिशत तक अंक लाने वाली उसके साथ की एक छात्रा प्रतिष्ठित लॉ फर्म द्वारा लिए गए प्लेसमेंट इंटरव्यू में प्रश्नों के उत्तर नहीं दे सकी थी। घबराहट के चलते वह रोने लगी। वही छात्रा आज एक प्रतिष्ठित पद पर आसीन है। शायद उस समय उसमें विषय के व्यावहारिक पक्ष की समझ का अभाव रहा होगा।

इसी तरह तीन साल की वकालत का मापदण्ड युवाओं के सपने तोड़ने वाला है। क्या तीन साल की वकालत काम सिखा देने की गारंटी देती है? कानून की डिग्रीधारी किसी युवा को वकालत पेशे की बारीकियां सिखाएगा कौन? अपने बूते वकालत के गुरु सीख लेना लगभग असंभव होता है। आमधारणा यह है कि पांच-सात साल की प्रैक्टिस के बाद ही फर्स्ट जनेरेशन एडवोकेट अपनी पहचान बना पाता है। इसे काफी लंबा समय कह सकते हैं। धारणा यह है कि वकालत पेशे में वही युवा वकील आसानी से पहचान बना पाता है जो या तो अधिवक्ता परिवार से हो या जिसे किसी प्रतिष्ठित वकील से जुड़ने का मौका मिल गया हो। तीन से पांच साल की लंबी और कठिन कानूनी पढ़ाई, उसके बाद तीन साल की प्रैक्टिस, जाहिर है कि जज बनने का सपना संजोया युवा अथेडवास्था की झ्योदी कदम रख चुकेगा। इतने इंतजार और संघर्ष के बाद भी



सिविल जज नहीं बन पाने की स्थिति में वह करेगा क्या? तीन साल की वकालत-प्रैक्टिस का रोड़ा उन युवाओं की हताश कर रहा है, जिन्होंने पारिवारिक या आर्थिक कारणों से कोई नौकरी पकड़ ली। तमाम व्यस्तताओं के बावजूद वो चयन परीक्षा की तैयारी करते हैं। ऐसे युवा तीन साल की प्रैक्टिस कैसे दिखाएंगे? कुल मिलाकर सिविल जज चयन परीक्षा के लिए पात्रता में किया गया उपर्युक्त संशोधन किसी भी दृष्टि से सही नहीं है। विधि शिक्षा के एक जानकार के अनुसार राज्य सरकार के इस नोटिफिकेशन ने उन हजारों युवाओं की आंखों के सामने अंधकार छा दिया है जो जज बनने के लिए तैयारी में जुटे थे। ऐसे युवाओं के सामने दो ही रास्ते हैं। या तो न्यायपालिका में जाने का विचार छोड़ दें या फिर इस नोटिफिकेशन को न्याय पालिका में चुनौती दी जाए। इसी तरह ही स्थिति तेलंगाना में उत्पन्न गई थी। हाईकोर्ट ने सिविल जज पद के लिए इसी तरह की पात्रता को 2019 में असंवैधानिक करार दिया था। 2021 आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट भी इसी तरह का निर्णय दे चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में ऐसी किसी पात्रता को मान्य नहीं माना था। विशेषज्ञों के अनुसार श्रेष्ठी कमीशन ने तीन साल की प्रैक्टिस की शर्त को गलत माना था। ताज्जुब होता है कि सुप्रीम कोर्ट, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश हाईकोर्टों के स्पष्ट निर्णयों के बावजूद कई राज्य सिविल जज के लिए पात्रता में इस तरह की टेढ़ी और असंवैधानिक शर्तें जोड़ने की कोशिश करते रहे हैं।

विधि छात्र को ब्रिलिएंट मानने वाली मध्य प्रदेश विधि एवं विधायी विभाग की शर्त में एक विरोधाभास भी है। सामान्य और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए प्रथम प्रयास में एलएलबी की परीक्षा 70 प्रतिशत अंकों से पास होने की शर्त लगाई गई है जबकि अजा-जजा के लिए यह 50 प्रतिशत है। क्या यह बौद्धिक स्तर में अंतर देखने जैसी बात नहीं है? इस पर अवश्य गौर किया जाना चाहिए। चलते-चलते एक सुझाव। मान लें, प्रथम प्रयास में 70 प्रतिशत अंक लाने वाला ही ब्रिलिएंट स्टूडेंट होता है तो फिर चयन परीक्षा की क्या जरूरत है? सीधे साक्षात्कार की व्यवस्था हो सकती है। इससे कानून की पढ़ाई करने का साहस वही युवा जुटाएंगे, जिनके पास जिगर, जुगत या कोई जुगाड़ होगा।

गठबंधन में कहीं गांठ न जाय

(लेखक - डॉ. भरत मिश्र प्राची)

देश से अंग्रेज तो चले गये पर फूट डालो, राज करो की उनकी नीति आज भी कायम है। जिसके चलते आज देश की राजनीति में अनेक छोटे-छोटे दल उभरे नजर आ रहे हैं। जिसके चलते मत विभाजन की प्रक्रिया जारी है जो फूट डालो राज करो की राजनीति को उजागर करती है। इस तरह के परिवेश में स्वयं भू की राजनीति भी सर्वोपरि उभरी है जो देश की राजनीति को असंतुलित करने की भूमिका निभा रही है। बेमेल संगम, क्रय विक्रय प्रवृत्ति को प्रश्रय दे रही है। जिससे गठबंधन में गांठ पड़ने की प्रक्रिया को सदैव बल मिला है। इस परिप्रेक्ष्य में जनता द्वारा चुनी गई सरकार का गिरना, अस्थिर होना, मोल-भाव को बढ़ावा मिलना आदि उभरते परिदृश्य को आसानी से देखा जा सकता जहां केन्द्र एवं राज्यों की बहुमत की सरकार अल्पमत में आ जाने के कारण समय से पूर्व ही गिर गई। जिससे देश को मध्यावधि चुनाव का अनावश्यक बोझ उठाना पड़ा। आगे भी इस तरह की स्थिति बन सकती है। जो लोकतंत्रहित में कदापि नहीं। देश में चल रहे वर्तमान में राजनीतिक दलों की संख्या भले बहुतायत है पर ये सभी राजनीतिक दल मुख्य रूप से तीन वैचारिक विचार धारा वाम, साम्य एवं धर्म से जुड़े हुये हैं। जहां प्रगतिवादी, उदारवादी, रूढ़िवादी, और समाजवादी राजनीतिक दृष्टिकोण शामिल है। कांग्रेस, वाम दल, समाजवादी,

जनसंघ, मुस्लिम लीग आदि दल पहले से प्रमुख रहे। वर्तमान में वाम दल, कांग्रेस, भाजपा, अकाली दल, एनसीपी, मुस्लिम लीग, जदयू, राजद, बसपा, सपा, शिव सेना, झामुओ, तृणमूल कांग्रेस, बीजद, तेलगू देशम सहित अनेक राजनीतिक दल हैं जिनमें कुछ सत्ता पक्ष एनडीए के साथ है तो कुछ विपक्ष आइएनडीआईए के साथ है तो कुछ अभी भी इन दोनों गठबंधन से बाहर हैं। आज प्रमुख से भारतीय राजनीति में उभरे दो प्रमुख गठबंधन एनडीए एवं आइएनडीआईए में शामिल राजनीतिक दलों की विचार धारा भी अनेक अनेक हैं जहां गांठ कभी भी पड़ सकती है। जिससे गठबंधन टूटने के आसार स्वतः ही बने लगते। जब तक गठबंधन में अलग-अलग विचारधारा धारा एवं स्वयं भू प्रवृत्ति वाले शामिल रहेगें, गठबंधन टूटने का खतरा बना ही रहेगा।

भारतीय लोकतंत्र वर्तमान में गठबंधन की राजनीति पर टिका हुआ है। वर्ष 2024 में लोकसभा के चुनाव होने वाले हैं। सत्ता पक्ष एनडीए और विपक्ष आइएनडीआईए दोनों गठबंधन इस चुनाव में सत्ता हासिल करने की राजनीति बना रहे हैं। सत्ता पक्ष एनडीए में फिलहाल



भाजपा सबसे बड़ा राजनीतिक दल है जिसके वर्चस्व के सामने उसमें शामिल दूसरे राजनीतिक दल बौने हैं, दूसरी ओर विपक्ष आइएनडीआईए में कांग्रेस सबसे बड़ा राजनीतिक दल तो जरूर है पर दूसरे शामिल अपने को कम नहीं समझने वाले राजनीतिक दल हैं जहां आपसी सामंजस्य बैटाना कुछ टेंडी खीर है। आइएनडीआईए में शामिल अधिकतर राजनीतिक दल कांग्रेस से ही बाहर निकले हुये हैं पर वे आज भी कांग्रेस से दूरी बनाकर चल रहे हैं। इस गठबंधन में शामिल आप सबसे बड़ा महत्वाकांक्षी नजर आ रहा है जिसके नेता प्रधानमंत्री बनने का सपना अभी से देखने लगे हैं। आइएनडीआईए की मुंबई बैठक में आप अभी से देश भर में सीट के बटवारे की बात करने लगी है। कहीं इस मामले को लेकर गठबंधन में गांठ न पड़ जाय। यदि

ऐसा हुआ तो आइएनडीआईए चुनाव पूर्व बिखर न जाय। सत्ता पक्ष एनडीए में फिलहाल ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। जिससे एनडीए को परतूजा-आइएनडीआईए से वजनदार लगने लगा है। इस ताज को सत्ता पक्ष से हासिल करने के लिये आइएनडीआईए को संयम बरतने की महती आवश्यकता है जहां से उसमें कहीं भी कोई चिंता को प्रतूजा-आइएनडीआईए न उभरे। इस दिशा में कांग्रेस से बाहर गये कांग्रेस जनों एवं उससे जुड़े राजनीतिक दलों की घर वापसी की योजना गठबंधन को मजबूत बना सकती है। एक देश एक चुनाव की भी वकालत सत्ता पक्ष की ओर से की जा सकती है। ऐसे परिवेश में आइएनडीआईए की जिम्मेवारी और बढ़ जायेगी जहां केन्द्र एवं प्रदेश की जंग एक साथ लड़नी होगी। (स्वतंत्र पत्रकार)

50 साल बाद भयंकर सूखे की आशंका

(लेखक- सनत जैन)

भारत में मौसम का चक्र बदल गया है 50 साल बाद भयंकर सूखे की आशंका व्यक्त की जा रही है हिमालय क्षेत्र में जहां सबसे कम बारिश होती थी। वहां पर भारी बारिश होने से भूस्वखलन से हजारों मकान जमींदोज हो गए। प्रकृति ने हिमालयन क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचाया है। हिमाचल, उत्तराखंड में कहर देखने को मिला। अनियमित बारिश के कारण देश में 50 साल बाद सबसे बड़े सूखे की आशंका व्यक्त की जा रही है। अगस्त माह में बहुत कम बारिश हुई है। मौसम बदलाव की दो बड़ी वजह वैज्ञानिक बता रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वायुमंडल में ग्रीन हाउस में गैसों की मात्रा बढ़ रही है। फलस्वरूप पृथ्वी

का तापमान बढ़ता ही जा रहा है। अलनीनो मौसमी चक्र है, इसका प्रभाव बारिश पर पड़ रहा है। जब बारिश होनी चाहिए थी, तब बारिश नहीं हुई। जो बारिश हुई, या तो वह समय से पहले हो गई। जिसके कारण फसलों की बुवाई नहीं हो पाई थी। जब फसल बोई गई, उसके बाद पानी नहीं गिरा, फसले सूखने लगी। बांधों में पानी नहीं भर। तापमान अगस्त और सितंबर के माह में बढ़ने लगा। 1 माह पहले मौसम बदलने के कारण सीताफल अमरुद के फल बाजार में आने लगे। कांस में फूल लगने लगे, कांस में फूल तभी लगते हैं जब मानसून की विदाई होने लाती है। आमतौर पर कांस में अक्टूबर माह के बाद फूल लगते हैं। जो इस बार अगस्त में ही दिखने लगे। सारे देश में 12 से लेकर 17

फीसदी औसत बारिश कम हुई है। कई स्थानों पर बारिश 30 से 50 फीसदी तक कम होने से मानसून के साथ-साथ फसल चक्र भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। बारिश नहीं होने से बांध नहीं भरे गए जो फसल किसानों ने वही थी पानी नहीं गिरने से वह सूखने लगी क्योंकि बारिश कम हुई है। बांध नहीं भरे हैं। इसके कारण आगे भी सिंचाई और पेयजल के लिए बड़े संकट की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। अगस्त में 122 साल के बाद सबसे कम बारिश होने का रिकॉर्ड बना है। अभी तक मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में 36 फीसदी कम बारिश होने की सूचना मानसून विभाग ने दी है। मध्य प्रदेश के 32 जिले सूखे की चपेट में हैं। सोयाबीन, मक्का, धान सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। कुछ ऐसी ही

स्थिति छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में देखने को मिल रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अबकी बार सामान्य से 50 फीसदी कम बारिश होने का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी से जो मानसून सक्रिय होता था। वह इस बार बहुत कमजोर है। मौसम वैज्ञानिक सितंबर माह में बारिश होने की संभावना तो व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन मानसून कमजोर होने के कारण पर्याप्त बारिश नहीं होने की कोई संभावना भी व्यक्त कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह कहकर और चिंता बढ़ा दी है कि 50 साल बाद सबसे बड़ा सूखा मध्य प्रदेश में पड़ने की संभावना है। तापमान ज्यादा होने से बिजली की डिमांड बढ़ गई है। फसलों की सिंचाई के लिए पानी की मांग समय के पूर्व बढ़ गई है।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से प्रार्थना की है, कि वह अपनी ओर से भगवान से प्रार्थना करें। बारिश समय पर और अच्छी बारिश हो। मौसम की मार अकेले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ या भारत में देखने को नहीं मिल रही है। दुनिया के लगभग सभी देशों में मौसम का चक्र बड़ी तेजी के साथ बदल रहा है। जहां बारिश नहीं होती थी, वहां तेज बारिश हुई है। जहां ज्यादा बारिश होती थी, वहां सूखा पड़ा हुआ है। बारिश का समय चक्र बदल रहा है। जिसके कारण सारी दुनिया में खाद्यान्न संकट की आशंका भी जताई जाने लगी है। मौसम विज्ञानी कह रहे हैं, कि इस बार 40 से 50 फीसदी बारिश कम होगी। इससे सरकारों के हाथ-पैर फूलने लगे हैं। पिछले कई दशकों से

भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना हुआ था। जरूरत से ज्यादा भंडारण खाद्यान्न का रहता था। पिछले कई वर्षों से हम खाद्यान्न निर्यात भी करने लगे थे। जिस तरह की स्थिति वर्तमान देखने को मिल रही है। उसने सभी को चिंता में डाल दिया है। खाद्यान्न और पेयजल संकट के साथ-साथ बिजली का संकट भी आने वाले समय में, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ सहित सभी राज्यों में तेजी के साथ बढ़ने की संभावना जताई जाने लगी है। देशभर में बढ़े पैमाने पर पूजा-पाठ शुरू हैं। बारिश के लिए टोने-टोटके करके बारिश करने के प्रयास भी आम जनता कर रही है। इसके सार्थक परिणाम अभी देखने को नहीं मिल रहे हैं। जिसके कारण सभी की चिंता स्वाभाविक है। (स्वतंत्र पत्रकार)



दिव्या देशमुख ने जीता टाटा स्टील रैपिड महिला शतरंज का खिताब

कोलकाता (निकलेश जैन) टाटा स्टील रैपिड और बिन्दु इंटरनेशनल शतरंज का तीसरा संस्करण कोलकाता के भाषा भवन में इस समय खेला जा रहा है और आज इसका रैपिड टूर्नामेंट वर्तमान एशियन चैम्पियन दिव्या देशमुख के विजेता बनने के साथ सम्पन्न हो गया। पहले दिन के खेल के बाद ही बहुत हासिल करने वाली भारत की दिव्या देशमुख ने आखिरी राउंड तक अपनी बहुत को कायम रखा और खिताब हासिल किया। वैशाली आर के अंतिम समय में टूर्नामेंट में हटने के चलते अंतिम समय में टूर्नामेंट में शामिल हुई दिव्या ने अपने चयन को सही साबित करते हुए अंतिम राउंड में भारत की सबसे महान महिला खिलाड़ी पूर्व विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी को पराजित करते हुए खिताबी जीत दर्ज की। 9 राउंड के बाद दिव्या 7 अंक बनाकर पहले स्थान पर रही जबकि 6.5 अंक बनाकर वर्तमान विश्व चैम्पियन चीन की जू वेंजुन ने दूसरा स्थान हासिल किया जबकि रूस की पोलिना शुवालोवा 5.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रही। अन्य खिलाड़ियों में भारत की हरिका द्रोणावल्ली 4.5 अंक, वनिका अग्रवाल और कोनेरु हम्पी और उक्रेन की एना उसेनीना 4 अंक, भारत की सविता श्री और यूएसए की इरिना कृष 3.5 अंक और जॉर्जिया की नीनों बताश्विली 2.5 अंक बनाकर क्रमशः चौथे से दसवें स्थान पर रही।

विश्वकप के लिए बीसीसीआई ने 15 सदस्यीय संभावित टीम का चयन किया

राहुल और ईशान को मिला अवसर, सैमसन बाहर हुए

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट को देखते हुए अपनी 15 सदस्यीय संभावित टीम बनायी है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई की चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने एशिया कप में भारत-पाक मुकाबले के बाद इस टीम का चयन किया है। इसमें चोट से उबर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को शामिल किया गया है

जबकि संजू सैमसन बाहर हो गये हैं। वहीं दूसरे विकेटकीपर के तौर पर ईशान को अवसर मिला है। अगरकर श्रीलंका गए थे और वहां कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ के साथ मिलकर उन्होंने इस टीम का चयन किया। ये बैट्समैन के अलावा, युवा बल्लेबाज एशिया कप मैच के बाद हुई। सैमसन के अलावा, युवा तिलक वर्मा और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को भी इस टीम में जगह नहीं मिली है। इस टीम में कप्तान रोहित के अलावा, युवा बल्लेबाज शुभमन गिल, अनुभवी विराट

कोहली, श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव को भी शामिल किया गया है। चयन समिति ने राहुल की फिटनेस को मेडिकल टीम की मंजूरी मिलने के बाद भी शामिल किया गया। राहुल अभी नेट्स पर अभ्यास कर रहे हैं और उन्होंने बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में कई घंटों तक बल्लेबाजी की है। बीसीसीआई के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की समय सीमा के अनुसार टीम घोषित करने के लिए पांच सितंबर तक का समय था पर उसने पहले ही टीम घोषित करना



सही समझ। विश्वकप के लिए संभावित 15 सदस्यीय

भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार

यादव, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, ईशान किशन, रवींद्र जडेजा, शादुल ठाकुर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज.

नेपाल से मैच पर भी बारिश का साया, मुकाबला रह हुआ तो भी सुपर फोर में पहुंचेगा भारत

मुम्बई ।

भारत और पाकिस्तान मैच के बाद अब भारत और नेपाल के बीच 4 सितंबर को होने वाले मैच पर भी बारिश का साया मंडरा रहा है। पाक के साथ मुकाबला रह होने से भारत के लिए सुपर फोर में जगह बनाने इस मैच को जीतना बेहद जरूरी है। भारत-पाक का मैच बारिश के कारण रह होने की वजह से दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले थे। वहीं पाकिस्तान ने अपने मुकाबले में नेपाल पर बड़ी जीत दर्ज की थी। ऐसे में वह सुपर-4 में पहुंच गया है। इसके बाद भी भारतीय प्रशासकों के लिए निराश होने की बात नहीं है क्योंकि अगर ये मैच नहीं हो पाता तो भी भारतीय टीम सुपर फोर में पहुंच जाएगी। वहीं पहली बार एशिया कप में उतरा नेपाल टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा। नेपाल अपना पहला मैच पाकिस्तान से हार गया था।



वहीं भारत के खिलाफ मैच रह होने पर उसे 1 अंक मिलेगा और भारत को भी इतने ही अंक मिलेंगे। भारत के पास पहले से ही पाकिस्तान के खिलाफ मैच रह होने के कारण एक अंक है। इस प्रकार भारतीय टीम 2 अंक लेकर बिना मैच खेले भी सुपर-4 में पहुंच जाएगा। वहीं मौसम विभाग को एक रिपोर्ट के अनुसार केंडी में बादल छाये हुए हैं और यहां बारिश होने की 60 फीसदी संभावनाएं हैं। सुबह के समय भी यहां बारिश हो सकती है।

गंभीर बोले तब एशिया कप में हरमजन ने दिलायी थी भारतीय टीम को जीत

केंडी । एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का मैच रह होने के साथ ही पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को एक दशक से अधिक समय पहले हुए एक मैच को याद किया। गंभीर ने कहा कि उस मैच में मैंने या धोनी ने नहीं बल्कि हरमजन सिंह ने भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। एशिया कप में कमेंट्री कर रहे गंभीर ने कहा, वो मैच मैंने नहीं जितया था। उस मैच में हरमजन ने टीम को जीत दिलायी थी। तब मेरे और धोनी के बीच में साझेदारी हुई थी पर असल में जीत हरमजन ने दिलायी थी। मेरा मानना है कि जो अंत में रन बनाता है। वहीं टीम को जीत दिलाता है। उस मैच में हालात अच्छे नहीं थे। रोशनी भी पर्याप्त नहीं थी। तब हमारा सामना शोएब अख्तर, अब्दुल रजाक, सईद अजमल जैसे खिलाड़ियों से था। तब पाक ने सलमान बट की 74 और कामरान अकमल की अर्धशतकीय पारी के दम पर 267 रन बनाए थे। इसके बाद भारतीय टीम ने लक्ष्य 49.5 ओवर में ही हासिल कर लिया था। वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली जल्दी आउट हो गए थे। तब गंभीर ने 83 और धोनी ने 56 रनों बनाये थे। पाक की ओर से उस मैच में अंत ओवर मोहम्मद आफ्रिन ने डाला था। उनकी दूसरी गेंद पर सुरेश रैना रन आउट हो गए थे जबकि तीसरी गेंद पर प्रवीण कुमार ने 2 रन बनाये थे। इसके बाद उन्होंने 1 रन लिया था। इससे स्ट्राइक हरमजन को मिल गयी थी। भारत को 2 गेंदों में 3 रनों बनाने थे लेकिन भज्जी ने पांचवी गेंद पर शानदार छक्का लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।



नोएडा सुपरकिंग्स ने लखनऊ फॉल्कन्स को हराकर लगाई जीत की हैट्रिक

कानपुर ।

यूपी टी20 लीग के चौथे दिन शनिवार दोपहर को ग्रीन पार्क स्टेडियम में नोएडा सुपरकिंग्स ने लखनऊ फॉल्कन्स को हराकर जीत की हैट्रिक लगाई है। यह मुकाबला नोएडा सुपर किंग्स तथा लखनऊ फॉल्कन्स के बीच खेला गया। लखनऊ फॉल्कन्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नोएडा सुपर किंग्स को 185 रन का लक्ष्य दिया। वहीं, इसके जवाब में उतरी नोएडा सुपर किंग्स की टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाकर जीत दर्ज की। नोएडा ने इस मैच में जीत की हैट्रिक लगाई है। नोएडा सुपर किंग्स लीग में कानपुर सुपर स्टार्स और गोरखपुर लॉयर्स को शिकस्त दे चुकी है। मैच ऑफ द मैच नीतीश राणा को मिला। नीतीश ने 26 गेंद पर 9 छक्कों और एक चौके की मदद से 65 रनों की दमदार अर्धशतकीय की पारी खेली। वहीं, दूसरा मुकाबला शाम 7-30 बजे कानपुर सुपर स्टार्स

और रुद्राक्ष की बीच शुरू हुआ। लखनऊ फॉल्कन्स की ओर से पहले बल्लेबाजी करने हर्ष त्यागी और अनंजय सूर्यवंशी उतरे। हालांकि, लखनऊ फॉल्कन्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। लखनऊ का पहला विकेट 19 रनों पर गिर गया। अनंजय सूर्यवंशी 12 गेंद पर 6 रन बनाकर कैच आउट हो गए। इसके बाद हर्ष त्यागी की जोड़ी कप्तान प्रियम गर्ग के साथ हुई। दोनों ही खिलाड़ियों ने नोएडा सुपरकिंग्स के गेंदबाजों से संभलकर खेलना शुरू किया। दोनों की ग्रीनपार्क में 101 रन की अहम साझेदारी हुई। वहीं, 15वें ओवर में नमन तिवारी की गेंद पर हर्ष त्यागी ने प्रशांत वीर को कैच थमा दिया। कप्तान प्रियम गर्ग ने 45 गेंद में तीन चौके और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 76 रन व कुतूब सिंह ने 18 बलों पर तीन चौके, एक छक्के की मदद से नाबाद



27 रनों की पारी खेली। नोएडा सुपर किंग्स के कप्तान नीतीश राणा की दमदार बल्लेबाजी पर टीम ने लगातार तीसरे मैच में जीत दर्ज की है।

पाक के साथ हुए मुकाबले से भारतीय टीम को हुआ इस बात का फायदा : मांजरेकर

मध्यक्रम में ईशान जैसा बल्लेबाज मिला

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर के अनुसार पाकिस्तान के खिलाफ पहला रह होने के बाद भी भारतीय टीम को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मैच भारतीय टीम को कुछ लाभ भी हुआ है। साथ ही कहा कि इस प्रकार के लाभ बाद में नजर आयेंगे। मांजरेकर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के इस मुकाबले को सिर्फ एक मुकाबले के तौर पर नहीं देखा चाहिए। यह सही है कि मैच रह हो जाने से

भारत और पाकिस्तान के अंक बंट गए पर ये कोई बड़ा नुकसान नहीं है क्योंकि इसके बाद भी भारतीय टीम आसानी से सुपर-4 में पहुंच जायेगी। भारत को इस मैच से लाभ ये हुआ कि उसे मध्यक्रम के लिए एक अच्छा बल्लेबाज मिल गया है। संजय मांजरेकर ने पाक के पूर्व तेज गेंदबाज वकार युनुस के साथ बातचीत के दौरान कहा कि भारत एशियाकप में केवल एक-दो कमजोरियों के साथ उतरा है। उनमें से एक मध्यक्रम पर चौथे-पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी है पर शानदार बल्लेबाज हैं। इसप्रति बुमराह की वापस के बाद अब

के बाद ईशान किशन और हार्दिक पंड्या ने जिस तरह टीम को संभाला, उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वो कम है। मांजरेकर ने कहा कि ईशान के रूप में मध्यक्रम के लिए हमें एक अच्छा विकल्प मिला है। वहीं अय्यर ने छोटी सी अपनी पारी खेली पर उसमें उनकी लय अच्छी दिखी। ये भी एक सकारात्मक संकेत है। पंड्या छठे नंबर पर शानदार बल्लेबाज हैं। इसप्रति बुमराह की वापस के बाद अब



गेंदबाजी परेशान नहीं रही। इसलिए कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच से भारत को लाभ ही हुआ है। वहीं कमेंट्री टीम में शामिल वकार भी मांजरेकर से सहमत दिखे। वकार का भी मानना है कि ईशान हालात के अनुसार बल्लेबाजी करते हैं।



भारतीय हॉकी टीम ने जीता पुरुष हॉकी 5 एशिया कप

शूटआउट में पाक 2-0 से हराया

सालालाह । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एक रोमांचक शूटआउट मुकाबले में पाकिस्तान को 2-0 से हराकर पहला पुरुष हॉकी 5 एशिया कप टूर्नामेंट जीता है। इस मैच में तय समय तक दोनों ही टीमों 4-4 से बराबरी पर थी पर शूटआउट में भारत ने बाजी मार ली। इस जीत के साथ ही भारत ने एकआईएचएफ पुरुष हॉकी 5 विश्व कप 2024 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। भारत की ओर से जुगराज सिंह ने शुरुआत के 7 वें जबकि मनिंदर सिंह ने 10वां मिन्ट में गोल कर भारत को बहुत दिलायी। इसके बाद मोहम्मद राहील ने 19वें और 26वें मिन्ट में दो गोल किये। गुरजोत सिंह और मनिंदर सिंह ने शूटआउट में गोल दगे। वहीं पाक की ओर से अब्दुल रहमान ने पांचवे और कप्तान अब्दुल राणा ने 13वें जबकि जिकरिया हयात ने 14 वें मिन्ट में एक गोल दागा। अरशद लियाकत ने 19 वें मिन्ट में एक गोल किया। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में मलेशिया को 10-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। इस जीत से भारतीय टीम का एशियाई खेलों के लिए मनोबल बढ़ा है। भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट में दबदबा रहा और उसने 7 मैचों में सबसे अधिक कुल 87 गोल कर एक रिकार्ड बनाया है। वहीं पाक ने 7 मैचों में 71 गोल जबकि ओमान ने 9 मैचों में 38 गोल किये।

हरमनप्रीत डब्ल्यूबीबीएल विदेशी ड्राफ्ट में चुनी जाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी

मेलबर्न । महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर महिला बिग बैश लीग के विदेशी ड्राफ्ट में चुनी जाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी थीं, जिन्हें मेलबर्न रेनेगेड्स ने रिविवा को यहां बरकरार रखा। यास्तिका भाटिया, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा सहित कुल 18 भारतीय खिलाड़ियों का नाम डब्ल्यूबीबीएल के उदाटन विदेशी ड्राफ्ट में शामिल था, लेकिन किसी को भी नहीं चुना गया। प्लेटीनम श्रेणी को भी नहीं चुना गया। रेनेगेड्स ने वेस्टइंडीज के हेले मैथ्यूज के साथ बरकरार रखा था। हरमनप्रीत ने 2021-22 सीज़न के दौरान रेनेगेड्स के लिए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, 12 पारियों में 58.00 के औसत और 130.96 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक और नाबाद 81 का शीर्ष स्कोर शामिल था। वह गेंद से भी प्रभावी रही और उन्होंने 7.45 की इकोनॉमी से 15 विकेट लिए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 22 रन देकर 3 विकेट रहा। हरमनप्रीत ने 2016-17 में सिडनी थंडर के साथ डब्ल्यूबीबीएल डेब्यू किया था।

जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान हीथ स्ट्रीक नहीं रहे

हरारे ।

जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान हीथ स्ट्रीक का निधन हो गया है। स्ट्रीक 49 वर्ष के थे और पिछले काफी समय से कैंसर से पीड़ित थे। स्ट्रीक के निधन की जानकारी उनकी पत्नी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिये दी है। स्ट्रीक की पत्नी नादीन स्ट्रीक ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर लिखा, आज रविवार सुबह के शुरुआती घंटों में मेरे जीवन का सबसे बड़ा प्यार और मेरे खूबसूरत बच्चों के पिता हम सभी को छोड़ कर चले गए। वह अपने अंतिम दिन हमारे साथ बिताना चाहते थे। वह परिवार से

प्यार चाहते थे। हम कभी फिर मिलेंगे अनंत काल की यात्रा के लिए। अभी कुछ समय पहले भी उनके निधन की खबर आई थी पर तब वे अफवास निकली थी। उस समय पूर्व क्रिकेटर हेनरी ओलिंगा ने एक ट्वीट कर कहा था कि स्ट्रीक अब नहीं रहे।

49 साल के स्ट्रीक ने साल 2005 में 31 साल की उम्र में खेल से संन्यास ले लिया था। स्ट्रीक के नाम अभी भी 100 से अधिक टेस्ट और 200 से अधिक एकदिवसीय विकेट का रिकार्ड है। उन्होंने साल 2000 में बेहद कठिन समय में जिम्बाब्वे की कप्तानी की थी। तब कई खिलाड़ियों ने बोर्ड से नाराज जताते हुए

टीम से अपना नाम वापस ले लिया था। अपने शानदार करियर में स्ट्रीक ने 65 मैचों में 2.69 के औसत से 216 विकेट लिए हैं। एकदिवसीय प्रारूप में स्ट्रीक ने 189 मैचों में 4.51 के औसत से 239 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा 5-32 था। वहीं स्ट्रीक ने लाल गेंद प्रारूप में 22.4 की औसत से 1,990 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने देश के लिए 65 टेस्ट मैच खेले हैं। वहीं एकदिवसीय में स्ट्रीक ने 73.4 के स्ट्राइक रेट और 28.3 के औसत से 2,934 रन बनाए। साल



जिम्मेदारियों और वेतन को लेकर बोर्ड के साथ उनके मतभेद हो गये थे। साल 2002 में उन्हें फिर से कप्तान बनाया गया पर सरकार की खिलाफत करने के कारण स्ट्रीक की आलोचना की गई और इसी कारण साल 2004 में उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

1993 में स्ट्रीक ने पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में 8 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया था। स्ट्रीक को जिम्बाब्वे के कप्तान के रूप में नियुक्त किया गया था पर तब उन्होंने इस्तीफा दे दिया क्योंकि जिम्मेदारियों और वेतन को लेकर बोर्ड के साथ उनके मतभेद हो गये थे। साल 2002 में उन्हें फिर से कप्तान बनाया गया पर सरकार की खिलाफत करने के कारण स्ट्रीक की आलोचना की गई और इसी कारण साल 2004 में उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

शाहीन की गेंदबाजी समझ नहीं पाये रोहित : अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा शाहीन अफरीदी की गेंदबाजी को समझ नहीं पाये। रोहित इस मैच में केवल 11 रन बनाकर शाहीन का शिकार बने। वह इस तेज गेंदबाज की अंदर आती गेंद पर साफ बॉलड हो गये। वह इसी प्रकार पहले भी शाहीन का शिकार बने थे। रोहित ने शाहीन की इस गेंद को खेलने का प्रयास किया पर असफल रहे। अख्तर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह शाहीन को समझ पा रहे थे। रोहित को इस तरह खेलते हुए देखकर हमें निराश हुई। उनसे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें थीं। मुझे लगता है कि वह कुछ ज्यादा ही दबाव में थे। वह शुरुआती चार ओवरों में अच्छे खेले पर इसके बाद बारिश के कारण उनकी लय टूट गयी। शोएब ने साथ ही कहा, बारिश की वजह से लगातार आ रही बाध के कारण खिलाड़ियों को बार-बार वापस जाना पड़ा। इससे भी उनकी एकाग्रता भंग हुई। शाहीन का एसी कारण खराब शॉट लगाकर आउट हुए। अख्तर ने शाहीन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा, शाहीन का क्या स्पेल था, क्या गेंदबाज है। हर कोई जानता है कि वह क्या करेगा, गेंद को पिच कराएगा और इसे वापस लाएगा। इसके बाद भी रोहित के पास कोई उसकी गेंदों से निपटने का कोई जवाब नहीं था। इसका एक कारण ये है कि उन्हें शाहीन के खिलाफ खेलने का अधिक अवसर नहीं मिला है।





हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है।

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संख्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुक्राचार्य के कारण संख्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संख्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त कीं। शक्तियों के कारण संख्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संख्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संख्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संख्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएँ। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें—
ॐ शनैश्चराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
ॐ तीन मिट्टी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएँ, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएँ, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
ॐ पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएँ। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
ॐ जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएँ। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
ॐ ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएँ। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
ॐ तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएँ और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएँ। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएँ। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोट्ट, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था शारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।



भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा। शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगवार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।

कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।

कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1. गांडीव, 2. पिनाक और 3. शारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।

यह भी कहा जाता है कि वत्ससुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने— 1. गांडीव, 2. पिनाक और 3. शारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्ससुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।

एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाण हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।

कहते हैं कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गाण्डिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के पास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवराज को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।

शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।



घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेले के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की घट लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे में कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसों के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।



सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

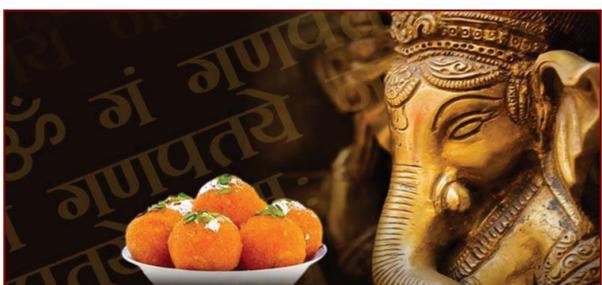
वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेच पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिबोध नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैप में होते थे।



गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है। गीता में सुष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना। श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।



वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।
श्रीकृष्ण : इसी माह में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
माता पार्वती : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
गणेश जी : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
विश्वकर्मा जी : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
भगवान विष्णु : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
श्रीराधा जी : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
पितृदेव : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्चमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
शिव जी : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
सूर्यदेव : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
हनुमान जी : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।



जॉर्डन में टीचर्स का नौकरी से पहले प्रेनेसी टेस्ट

—समर वैकेशन में इनसे रिजाइन भी लेते हैं प्राइवेट स्कूल, अब एक्शन में सरकार

अम्मान । अरब देश जॉर्डन के प्राइवेट स्कूल्स टीचर्स को अपॉइंट करने से पहले उन्हें प्रेनेसी टेस्ट कराने को मजबूर करते हैं। अपॉइंटमेंट के वक्त इनके 'नो प्रेनेसी सर्टिफिकेट' भी सबमिट कराना होता है। इतना ही नहीं जैसे ही स्कूलों में समर वैकेशन शुरू होती है तो प्राइवेट स्कूल टीचर्स को रिजाइन के लिए मजबूर करते हैं। एक रिपोर्ट में इन बातों की जानकारी दी गई है। इसके बाद जॉर्डन की सरकार एक्शन में आ गई है। लेबर मिनिस्ट्री ने सिर्फ इस तरह के मामलों की जांच कर रही है, बल्कि संबंधित एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स के खिलाफ एक्शन भी लेने की तैयारी है।

सैलरी भी कम—प्राइवेट स्कूल टीचर्स कमेटी के चेयरमैन लॉय अल रमाही के मुताबिक— हाल ही में प्राइवेट स्कूल एजुकेशन का एक सर्वे किया गया था। हमें 6.5 हजार शिकायतें मिल चुकी हैं। कई शिकायतें बहुत गंभीर हैं। रमाही ने कहा— प्राइवेट स्कूल में मिनिमम वेज के हिसाब से भी सैलरी नहीं दी जाती है। महिला टीचर्स को अपॉइंटमेंट से पहले नो प्रेनेसी सर्टिफिकेट देना होता है। समर वैकेशन में कई टीचर्स को ये स्कूल रिजाइन के लिए मजबूर करते हैं, ताकि उन्हें बिना काम के सैलरी न देनी पड़े। इस बार में जब जांच की गई तो ज्यादातर शिकायतें सही पाई गईं। कुछ टीचर्स से दूसरे व्हेरिफिकल काम भी कराए जाते हैं।

अब एक्शन में सरकार—तमाम शिकायतें मिलने के बाद जॉर्डन के लेबर मिनिस्ट्री हरकत में आ गई। इसके स्पोकसपर्सन मोहम्मद जाएद ने कहा— कोई भी स्कूल टीचर के प्रेनेट होने पर उसका कॉन्ट्रैक्ट रद्द नहीं कर सकता। उनको ये अधिकार भी नहीं है कि वो किसी टीचर्स को मेटर्नटी लीव पर जाने से रोके। हमने एक सर्कुलर जारी कर दिया है। इसमें कहा गया है कि अगर किसी टीचर के साथ कोई प्राइवेट स्कूल अगर इस तरह का बर्ताव करता है तो हमसे शिकायत करें। जाएद ने कहा— प्राइवेट स्कूल किसी सूत्र में मनमानी नहीं कर सकते। अगर उन्होंने सरकार के नियमों का मानने से इनकार किया तो उनका रजिस्ट्रेशन कैसिल किया जाएगा। उनसे टीचिंग के अलावा कोई और काम भी नहीं लिया जा सकता। सैलरी भी वक्त पर तय नियमों के हिसाब से देनी होगी।

अभिनेत्री सिल्विना लूना की सर्जरी के कारण हुई मौत, प्रतिबंधित दवा देने का आरोप

लॉस एंजेलिस । अर्जेंटीना की अभिनेत्री और पूर्व मॉडल सिल्विना लूना की 43 साल की उम्र में मृत्यु हो गई। उनको प्रतिबंधित दवा का इंजेक्शन देने का आरोप लगा जा रहा है। जानकारी के अनुसार उन्होंने 2011 में नितबों में उभार के लिए सर्जरी कराई थी जिसके परिणामस्वरूप किडनी की जटिलताओं के कारण वह 79 दिन से अस्पताल में थीं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिल्विना का गुरुवार 31 अगस्त को निधन हो गया। वह हॉस्पिटल इटालियनो में 79 दिनों तक भर्ती रहीं, जहां 2011 की सर्जरी के परिणामस्वरूप जटिलताओं के लिए उनका इलाज किया जा रहा था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उसके भाई एंजेलिको लूना ने गुरुवार को दोपहर में डॉक्टरों को उसे वेंटिलेटर से हटाने की मंजूरी दे दी। सिल्विना के वकील फर्नांडो बर्लेडे ने कहा कि यह दुःखद क्षति एक ऐसा अंत है जो दर्द देता है। उन्हें उम्मीद है कि उनकी लड़ाई अधिकारियों को जगाएगी, ताकि समाज इस पर ध्यान दे और अगर कोई मौत न हो। अभिनेत्री की सर्जरी जून या जुलाई 2011 के आसपास हुई थी और इसे कॉस्मेटिक सर्जन एनीबल लोटोकी ने अंजाम दिया था। डॉ. लोटोकी पर उस मरीज की 2021 में मौत का आरोप भी है, जिसका उन्होंने 2010 में ऑपरेशन किया था। उन्होंने सिल्विना को एक तरल इंजेक्शन दिया था, जिसमें पॉलीमेथाइलमैथैक्रिलेट था, जो अर्जेंटीना के नेशनल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ ड्रग्स, फूड एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी द्वारा प्रतिबंधित है।

बलूचिस्तान में सुरक्षाबलों ने किए आठ आतंकी ढेर, दो भाग गए

इस्लामाबाद । सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में एक घर में छुपकर बैठे आठ आतंकीवादियों को मार दिया है, जबकि दो भागने में सफल हो गए। जानकारी के अनुसार पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने कहा कि उन्होंने एक घर में आतंकीवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए प्रांत के वायुक जिले में एक ऑपरेशन चलाया। पुलिस के बयान में कहा गया है कि घर पर छापेमारी के दौरान आतंकीवादियों ने पुलिस पर गोलियां बरसाकर भागने की कोशिश की, इसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें पांच आतंकी मारे गए और दो भागने में सफल रहे। पुलिस ने उस परिसर से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया, जहां इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े आतंकीवादी सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमले की योजना बना रहे थे। हमले के बाद भाग रहे आतंकीवादियों को पकड़ने के लिए सीटीडी ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। सीटीडी के बयान में कहा गया है कि प्रांतीय राजधानी क्हेटा में एक अलग अभियान में, पुलिस ने शहर से दो सप्ताह पहले आग्रह कर नागरिक को बरामद कर लिया और गोलीबारी में तीन हमलावरों को मार गिराया। खुफिया जानकारी पर आधारित इस ऑपरेशन में पुलिस ने एक ठिकाने पर छाप मारा, जहां फिरोती के लिए अपहरण की घटनाओं, टारगेट किलिंग और आतंकीवादी गतिविधियों में शामिल आतंकीवादी ठहरे हुए थे।

कुर्दिश और अरब निवासियों के बीच हिंसा में 1 की मौत 8 घायल, लगा कर्फ्यू

बगदाद । इराक के किरुकु शहर में कुर्दिश और अरब निवासियों के बीच हिंसा भड़कने से एक की मौत हो गई है जबकि आठ लोग घायल हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार हिंसा के बाद शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया है। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने किरुकु में कुर्दिश लोगों का आदेश दिया। साथ ही दंगों से प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक रूप से सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री अल-सुदानी ने सभी पक्षों से 'किरुकु में संबंध को रोकने और सुरक्षा, स्थिरता और व्यवस्था बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।' एक स्थानीय अधिकारी ने कहा कि किरुकु में कई दिनों से चल रहे तनाव के बाद एक नागरिक की मौत हो गई और आठ घायल हो गए, जो ऐतिहासिक रूप से बगदाद में संघीय सरकार और उत्तर में स्वायत्त कुर्द क्षेत्र के अधिकारियों के बीच विवादित रहा है। स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के निदेशक जियाद खलाफ के अनुसार मौत के आसपास की परिस्थितियां तुरंत स्पष्ट नहीं थी, उन्होंने कहा कि घायलों को गोलियों, परशुओं या कांच से चोट लगी थी। उन्होंने आगे बताया कि घायलों में सुरक्षा बलों का एक सदस्य भी शामिल है। यहां गोरतलब है कि किरुकु में लगभग एक सप्ताह से तनाव का माहौल है। जो ऐतिहासिक रूप से बगदाद में संघीय सरकार और उत्तर में अर्ब-स्वायत्त कुर्द क्षेत्र के अधिकारियों के बीच विवादित रहा है। साल 2014 में स्वायत्त कुर्द क्षेत्र के सुरक्षा बलों कुर्दिस्तान डेमोक्रेटिक पार्टी और पेशमार्गों ने उत्तरी इराक के तेल उत्पादक क्षेत्र किरुकु पर नियंत्रण कर लिया। बताया जा रहा है कि संघीय सैनिकों ने कुर्द स्वतंत्रता पर एक असफल जनमत संग्रह के बाद साल 2017 में उन्हें निष्कासित कर दिया।

कोविड के बाद एक महिला मुंह के बजाय दिल से खाती है खाना

लंदन । कोविड से प्रभावित होने के बाद एक महिला मुंह के बजाय दिल से खाना खा रही है। लंदन में ऐसा उस महिला के साथ लगातार हो रहा है, हालांकि वह सीधे खाना पचा नहीं पाती है। मिली जानकारी के अनुसार उस महिला का नाम सराह है और वो 30 साल की है। उसे कोविड इन्फेक्शन हुआ था, जिसके बाद कुछ ऐसी कठिन समस्या सामने आई। सराह ने अपनी इस कड़ीशन को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर शेयर किया है। उसने बताया है कि वो सामान्य लोगों की तरह खाना खाकर पचा नहीं सकती है। महिला को गैस्ट्रोपैरेसिस नाम की मेडिकल कड़ीशन हो गई है, जिसकी वजह से सामान्य रूप से बेहद कम गति से पेट में पहुंचता है। ये एक लॉन्ग टर्म कड़ीशन है, जिसे दवाओं और डाइट में बदलाव करके मैनेज किया जा सकता है। इसकी वजह से सराह का पाचन तंत्र पूरी तरह से अपाहिज हो चुका है। वो खाना पचा नहीं पाती है और जो भी खाती है, तुरंत उट्टी कर देती है। खाना खाने से भी उन्हें दर्द होता है और यही वजह है कि वो मुंह से खाने के बजाय अब टोटल पैरेंटल न्यूट्रिशन पर हैं। टोटल पैरेंटल न्यूट्रिशन में मरीज को आर्टिफिशियल न्यूट्रिशन दिया जाता है। सराह को दिल के जरिये टीपीएन दिया जाता है और वो दावा करती है कि उसे खाने की बिक्रुल भी याद नहीं आती।



मंगोलिया में एक बौद्ध धर्मगुरु पोप फ्रांसिस से मिलने पहुंचे।

विशेष अदालत ने स्थगित की इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी की जमानत अर्जियों पर सुनवाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने गोपनीय दस्तावेज को सार्वजनिक करने से संबंधित एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके करीबी सहयोगी शाह महमूद कुरैशी की गिरफ्तारी के बाद की जमानत अर्जियों पर सुनवाई स्थगित कर दी है। अदालत ने इसके अधिकार क्षेत्र को चुनौती देने वाली याचिका पर इस्लामाबाद उच्च न्यायालय द्वारा फेसला सुनाये जाने तक सुनवाई स्थगित की है। कथित राजनयिक दस्तावेज में पिछले साल दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के उप विदेश मंत्री डेनोल्ड लू सहित अमेरिकी विदेश विभाग के अन्य अधिकारियों और पाकिस्तानी राजदूत असद माजिद खान के बीच हुई एक



बैठक का विवरण शामिल था।

अमेरिकी मीडिया संस्थान द इंटरसेट द्वारा इस दस्तावेज की एक कथित प्रतिलिपि प्रकाशन के बाद इमरान खान के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ गया है। शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार के कई नेताओं ने दस्तावेज लीक के लिए खान पर उंगली उठाई है। जेल में बंद पूर्व

प्रधानमंत्री खान के करीबी सहयोगी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के उपाध्यक्ष कुरैशी (67) को अमेरिका स्थित पाकिस्तानी दूतावास द्वारा विदेश कार्यालय को भेजे गए आधिकारिक दस्तावेज की गोपनीयता का उल्लंघन करने के लिए 19 अगस्त को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया

गया था। राजनयिक दस्तावेज जब भेजा गया था, उस समय कुरैशी विदेश मंत्री थे।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, यहां की एक विशेष अदालत ने राजनयिक दस्तावेज मामले में खान और कुरैशी की गिरफ्तारी के बाद की जमानत अर्जियों की सुनवाई तब तक के लिए स्थगित कर दी है, जब तक कि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय निचली अदालत के अधिकार क्षेत्र को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला नहीं सुना देता। लाहौर उच्च न्यायालय सात अलग-अलग मामलों में खान (70) की अग्रिम जमानत अर्जियों को खारिज किये जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगा।

वैज्ञानिकों ने खोजा बादलों में माइक्रो प्लास्टिक : स्वास्थ्य पर भी पर्यावरण का खतरा

टोक्यो । जापान में पर्यावरण शोधकर्ताओं ने पहली बार बादलों में माइक्रो प्लास्टिक होने का पता लगाया है। यह खोज जलवायु और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्परिणामों को लेकर भारी चिंता जताती है। वासेदा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर हिरोशी ओकोची ने नेतृत्व में माउंट फूजी के शिखर और योकोहामा के माउंट तंजावा आयोग के शिखर पर बादलों से 44 नमूने लेकर उनकी जांच की गई। जांच में 70 माइक्रो प्लास्टिक कण मिले। माइक्रो प्लास्टिक के 5 मिलीमीटर से भी छोटे आकार के कण मिलने को, पर्यावरण के लिए बड़ी चिंता का कारण माना जा रहा है। प्लास्टिक के यह छोटे कण विभिन्न मार्गों से पर्यावरण में प्रवेश कर सकते हैं। पर्यावरण के साथ-साथ शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं।

पाक के पीएम काकर का बड़ा दावा, तख्तापलट करने की हुई थी कोशिश

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवरुल-हक-काकर ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने 9 मई को हुई हिंसा को तख्तापलट करार देते हुए इस घटना को गृह युद्ध का एक प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि इस हिंसा का मुख्य लक्ष्य वर्तमान पाकिस्तान सेना प्रमुख और

खिलाफ बदला लिया जा रहा है, लेकिन अगर देश के कानूनों का उल्लंघन करने और यातना का सहारा लेने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती है, तो हमें इस मामले में एक पक्ष के रूप में देखा जाएगा।

कार्यवाहक पीएम काकर ने यह स्वीकार किया कि किसी भी राजनीतिक दल को दूसरों पर पथर फेंकने, उन्हें गाली देने और इमारतों को जलाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता था कि मैं कभी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा। टीटीपी या किसी भी प्रतिबंधित संगठन से निपटने के लिए राज्य के पास बातचीत और बल दोनों उपकरण हैं।

उनकी टीम थी। मीडिया को इंटरव्यू में कार्यवाहक पीएम काकर ने कहा कि 9 मई को हुई तोड़फोड़ और आगजनी को पूरी दुनिया ने देखा और अंतरराष्ट्रीय अखबारों ने इस त्रासदी की रिपोर्ट की। इस तरह की हेराफेरी किसी भी सरकार में स्वीकार्य नहीं है। अंतरिम पीएम ने आगे कहा कि हम यह धारणा नहीं बनाना चाहते कि 9 मई के आरोपियों के

गौरतलब है कि, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 9 मई को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में हिरासत में लिए जाने के बाद पूरे पाकिस्तान में हिंसक टकराव हुआ। पीटीआई कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान लाहौर में सैन्य प्रतिष्ठानों और कोर कमांडर के घर पर भी हमला हुआ था।

नॉर्थ कोरिया ने येलो सी में कूज मिसाइलें दागीं

—3 दिन में दूसरा परीक्षण; साउथ कोरिया ने कहा— हम खतरे से निपटने के लिए तैयार

गिलगित (एजेंसी)।

चोंगयांग। नॉर्थ कोरिया ने येलो सी में कई कूज मिसाइलें दागीं हैं। इस बात की जानकारी साउथ कोरिया की सेना ने दी है। नॉर्थ कोरिया ने शनिवार सुबह को ये मिसाइलें लॉन्च की है। इससे कुछ दिन पहले ही नॉर्थ कोरिया ने अपने पूर्वी तट के पास दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया था। नॉर्थ कोरिया ने इसे साउथ कोरिया पर सिम्युलेटेड न्यूक्लियर स्ट्राइक कहा था।

साउथ कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने अपने बयान में बताया कि मिसाइलों को येलो सी की तरफ लॉंच किया गया। इन्हें स्थानीय समय के मुताबिक शनिवार सुबह 4 बजे लॉन्च किया गया था। अमेरिका और साउथ कोरिया की इंटीलजेंस एजेंसियां लॉन्चिंग डिटेल्स की जांच कर रही हैं। साउथ कोरियाई न्यूज

एजेंसी योनहाप के मुताबिक जॉइंट चीफ ने कहा कि हमारी सेना अमेरिका के साथ मिलकर अपनी तैयारियों को बरकरार रखा है। हाल ही में साउथ कोरिया पर कब्जे की बात कही थी

नॉर्थ कोरिया ने 3 दिन में ये दूसरा मिसाइल परीक्षण किया है। इससे पहले गुरुवार यानी 31 अगस्त को दो शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों को लॉन्च किया था। ये सिम्युलेटेड न्यूक्लियर अटैक एक्सरसाइज साउथ कोरिया के मिलिट्री कमांड सेंटर और एयरफोर्ड को निशाना बनाने की तैयारी के मकसद की गई थी। इस परीक्षण के बाद नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि जरूरत पड़ी तो साउथ कोरिया पर कब्जा भी करेगा। इस सिम्युलेशन को साउथ कोरिया और अमेरिका के बीच 11 दिन तक चले युद्धाभ्यास के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। इस युद्धाभ्यास को नॉर्थ कोरिया लगातार उस पर हमले की तैयारी के तौर पर बता रहा था। इस युद्धाभ्यास के दौरान एक अमेरिकी बी-बी1 बमबर्क विमान ने

लगातार 10 मिनट तक गर्लफंड को किया किस तो शस्स हो गया बहरा

बीजिंग। चीन में एक शख्स को लगातार 10 मिनट तक किस करना महंगा पड़ गया। वह अपनी गर्लफंड को लगातार किस करने से बहरा हो गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किस करने के बाद उसे तुरंत अस्पताल में ले जाया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि उसके कान के पर्दे में छेद हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वह अपनी गर्लफंड के साथ लिप लॉक करने के बाद सुनने की क्षमता खो बैठा। यह मामला चीन के पूर्वी झोंजियांग प्रांत के वेस्ट लेक का है। युवक की पहचान गुयाल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार 22क करीब दो, गुयाल चुंबन कर रहे थे भी उन्हें अपने कान में तैज दर्द महसूस हुआ। यह जोड़ा चीन के पूर्वी झोंजियांग प्रांत के वेस्ट लेक में डेट पर गया था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उनके कान के पर्दे में छेद हो गया है। उन्हें बताया गया कि पूरी तरह ठीक होने में उन्हें दो महीने लगेंगे और डॉक्टरों ने उन्हें एंटीबायोटिक्स दी हैं।

आह्वान किया है, लेकिन मांसको के साथ अपने स्वयं के संबंध निर्धारित करने का अधिकार भी सुरक्षित रखा है। चीन ने पश्चिमी देशों पर यूक्रेन को हथियार मुहैया करारक युद्ध को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

लावरोव ने कहा कि पश्चिम ने शिखर सम्मेलन की तैयारी के लिए बैकडॉ में यूक्रेन का मुद्दा उठाया था, जिस पर रूस ने जवाब दिया था कि हमारे लिए यह मुद्दा बंद हो गया है। उन्होंने पश्चिम पर अपने स्वयं के एजेंडे को आगे बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया और सुझाव दिया कि, यदि जी20 बैकड में आम सहमति नहीं बन पाती है, तब जी20 अध्यक्ष द्वारा एक गैर-बाध्यकारी विज्ञापन जारी की जा सकती है। लावरोव ने कहा, जी20 क्षमताओं के क्षेत्र में विशिष्ट निर्णयों पर ध्यान केंद्रित



करता है और बाकी सभी को अपनी बात रखने का अवसर देता है।

इसके पहले रूसी राजदूत डेनिस अलोपोव ने कहा कि यूक्रेन युद्ध के अलावा सभी मुद्दों पर जी20 देशों के बीच सहमति है और इस विवादस्पद विषय को नेताओं के बयान के मसौदे

बैंक को लगाया 242 मिलियन डॉलर का चूना

न्यूयॉर्क । अबगाना के ओवेल के नाम से प्रसिद्ध इमैनुएल न्यूड ऑडिनिगवे ने ब्राजील के साओ पाउलो स्थित बैंको नोरोएस्टे के निदेशक नेल्सन साकागुची को खुद को नाइजीरिया के सेंट्रल बैंक के अध्यक्ष बता कर 242 मिलियन डॉलर यानि की 20 अरब रुपये का चूना लगा दिया। अपने इस स्कैम को अंजाम देने के लिए इमैनुएल ने मैन पॉवर का भी उपयोग किया। उन्होंने एक कपल क्रिश्चियन इकेचुकु अनाजेम्बा और अमाका अनाजेम्बा के साथ-साथ इमैनुएल ओफोल्तू, नजेरिबे ओकोली और आंबम ओसाकवे को अपनी टीम में शामिल किया था। इन सबने ने मिलकर इंटरनेशनल बैंक को चूना लगाया। खुद को नाइजीरिया के सेंट्रल बैंक के अध्यक्ष बताने वाले इमैनुएल ने ब्राजील के निदेशक नेल्सन साकागुची को अपने देश (नाइजीरिया) में एयरपोर्ट बनाने में मदद करने के एवज में 10 प्रतिशत कमीशन देने का वादा कर, निवेश के लिए राजी किया था। इमैनुएल और नेल्सन साकागुची के बीच कुल सौदा 242 मिलियन डॉलर (20 अरब रुपये) का हुआ था। इसमें 191 मिलियन डॉलर नगद बाकी शेष राशि 1995 से 1998 के बीच ब्याज सहित देना था। लेकिन खुलासा तब हुआ, जब एक स्पैनिश मल्टीनेशनल कंपनी ब्राजील के बैंक 'बैंको नोरोएस्टे' के अधिग्रहण के लिए गई। पता चला इस बैंक के कुल पूंजी का आधा हिस्सा गायब है। तब इसकी जांच शुरू हुई और पकड़ में आए इमैनुएल नूडे। ब्राजील, ब्रिटेन, नाइजीरिया, स्विटजरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका में स्पेशल क्राइम टास्क फोर्स का गठन किया गया। नाइजीरिया में इमैनुएल नूडे की तलाश की गई। न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डे पर इमैनुएल नूडे को गिरफ्तार कर धोखाधड़ी से संबंधित आरोपों पर मुकदमा चलाने के लिए स्विटजरलैंड ले जाया गया।

—सरकार को लगानी पड़ी इमरजेंसी

टोरंटो (एजेंसी)।

खतरनाक मधुमक्खियों ने कनाडा के टोरंटो शहर में आतंक मचाया हुआ है। हालांकि बेकाबू होने से पुलिस को आपातकाल की घोषणा करने पड़ी। इस शहर में मधुमक्खियों का कोई छोटा मोटा झुंड नहीं, बल्कि 50 लाख मधुमक्खियों का बवंडर है। इतनी बड़ी तादाद में सड़कों पर मधुमक्खियों के आने का कारण एक टुक को बताया जा रहा है। टुक में रखे मधुमक्खियों से भरे कई बक्से सड़क पर गिरकर खुल गए। पुलिस ने लोगों को बचने के लिए गाड़ियों और घरों के शीशे बंद रखने के लिए कहा है।

ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना तब हुई तब मधुमक्खियों को उनके शीतकालीन निवास स्थान पर ले जाया जा रहा था। हॉल्टन क्षेत्रीय पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उन्हें सुबह करीब 6:15 बजे फोन आया कि ऑन्टारियो के बर्लिंगटन में डंडस स्ट्रीट के उत्तर में गुएल्फ लाइन पर एक टुक से मधुमक्खियों के कई बक्से गिर गए। पुलिस ने कहा, 'कुछ मधुमक्खी पालकों को भी डंक लगा है।'



मधुमक्खी पालक घटनास्थल पर था, उसे मधुमक्खियों ने कई बार डंक मार था।

जैसे ही मधुमक्खियां तितर-बितर होने लगीं, पुलिस ने पैदल चलने वालों को क्षेत्र से दूर रहने की चेतावनी दी, निवासियों और वहां से गुजरने वाले मोटर चालकों से अपनी खिड़कियां बंद रखने का आग्रह किया। पुलिस ने घटना के संबंध में सोशल मीडिया पर एक नोटिस भी डाला, जिसके बाद कई मधुमक्खी पालकों ने पुलिस से संपर्क किया और उन्हें मदद की पेशकश की। घटना के तुरंत बाद छह-सात मधुमक्खी पालक घटनास्थल पर पहुंचे। मधुमक्खी पालक माइकल बार्बर ने बताया, 'वहां बहुत सारी उड़ने वाली मधुमक्खियां थीं, जिससे फुल सूट पहने मधुमक्खी पालक भी बचरा गए।' उन्होंने कहा, 'कुछ मधुमक्खी पालकों को भी डंक लगा है।'

कोरियाई प्रायद्वीप के ऊपर से उड़ान भी भरी।

यूक्रेन को गोला-बारूद देगा अमेरिका

ये सुरक्षा कवच भेदने में माहिर, रूसी टैंकों को तबाह कर सकते हैं। अमेरिका पहली बार यूक्रेन को डिलीवर्ड यूरेनियम से लैस गोला-बारूद (जिसमें यूरेनियम की मात्रा कम हो) भेजने वाला है। रॉयटर्स के मुताबिक, ये हथियार रूसी टैंकों को तबाह करने में सक्षम होंगे। इन हथियारों की सप्लाई की घोषणा अगले हफ्ते हो सकती है। इन गोला-बारूद को अमेरिका के अब्राम टैंकों से फायर किया जा सकेगा।

ये हथियार अमेरिका के यूक्रेन के लिए नए पैकेज का हिस्सा होंगे। ये एड पैकेज करीब 3 हजार करोड़ रूपए का हो सकता है। यूरेनियम एक रेडियोएक्टिव मेटैरियल है, जिसके एक आइसोटोप का इस्तेमाल परमाणु बम में भी किया जाता है। इससे पहले ब्रिटेन ने भी मार्च में यूक्रेन को ऐसे ही हथियार भेजे थे। इसी के बाद नाराज रूस ने बेलायूस में अपने परमाणु हथियार तैनात करने का फैसला किया था।

कोरियाई प्रायद्वीप के ऊपर से उड़ान भी भरी।

यूक्रेन को गोला-बारूद देगा अमेरिका

ये सुरक्षा कवच भेदने में माहिर, रूसी टैंकों को तबाह कर सकते हैं। अमेरिका पहली बार यूक्रेन को डिलीवर्ड यूरेनियम से लैस गोला-बारूद (जिसमें यूरेनियम की मात्रा कम हो) भेजने वाला है। रॉयटर्स के मुताबिक, ये हथियार रूसी टैंकों को तबाह करने में सक्षम होंगे। इन हथियारों की सप्लाई की घोषणा अगले हफ्ते हो सकती है। इन गोला-बारूद को अमेरिका के अब्राम टैंकों से फायर किया जा सकेगा।

ये हथियार अमेरिका के यूक्रेन के लिए नए पैकेज का हिस्सा होंगे। ये एड पैकेज करीब 3 हजार करोड़ रूपए का हो सकता है। यूरेनियम एक रेडियोएक्टिव मेटैरियल है, जिसके एक आइसोटोप का इस्तेमाल परमाणु बम में भी किया जाता है। इससे पहले ब्रिटेन ने भी मार्च में यूक्रेन को ऐसे ही हथियार भेजे थे। इसी के बाद नाराज रूस ने बेलायूस में अपने परमाणु हथियार तैनात करने का फैसला किया था।

बहुविवाह इस्लाम का जरूरी हिस्सा नहीं, असम सरकार बनाएगी कानून

गुवाहाटी। असम में बहु विवाह पर रोक लगाने के लिए बिस्वा सरमा सरकार नया कानून बनाने जा रही है। सरकार द्वारा विधानसभा सदन में बहु विवाह के खिलाफ प्रस्ताव रखा जाएगा और बिल पास होते ही असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध लग जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि बहुविवाह के खिलाफ बनाई गई समिति की रिपोर्ट आई थी। जिसमें फीडबैक मांगा गया था। लोगों ने बहु विवाह के खिलाफ कानून बनाने के लिए अपना समर्थन दिया है। अब सरकार सदन में बिल पेश करने के लिए तैयार है। सरकार ने पहले बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून लाने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए समिति का गठन किया था। संबंधित समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद विधानसभा में विधेयक लाने से पहले सरकार ने जनता की राय मांगी थी। सरमा ने कहा कि हमें अपने सार्वजनिक नोटिस के जवाब में कुल 149 सुझाव मिले हैं। इनमें से 146 सुझाव विधेयक के पक्ष में हैं, जो मजबूत जनसमर्थन का संकेत है। हालांकि, तीन संगठनों ने विधेयक पर अपना विरोध जताया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि अब हम प्रक्रिया के अगले चरण पर आगे बढ़ेंगे, जिसमें अगले 45 दिन में विधेयक का अंतिम मसौदा तैयार कर लिया जाएगा। विशेषज्ञ समिति ने कहा कि भारतीय संविधान संघ और राज्यों को विशेष मुद्दों पर कानून बनाने की शक्ति देता है। विवाह समवर्ती सूची में है, इसलिए संघीय सरकार और राज्य दोनों इसे नियंत्रित करने वाले कानून स्थापित कर सकते हैं। समिति के निष्कर्षों के अनुसार, विरोध के सिद्धांत (अनुच्छेद 254) में कहा गया है कि यदि राज्य का कानून केंद्रीय कानून के साथ संघर्ष करता है, तो केंद्रीय कानून को प्राथमिकता दी जाएगी। जब तक कि राज्य के कानून को भारत की संविधि की पूर्ण मंजूरी न मिल जाए। समिति ने रिपोर्ट में कहा कि इस्लाम के संबंध में अदालतों ने माना है कि एक से अधिक पत्नियों रखना धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। पत्नियों की संख्या सीमित करने वाला कानून धर्म का पालन करने के अधिकार में हस्तक्षेप नहीं करता है और यह सामाजिक कल्याण और सुधार के दायरे में है। इसलिए, एकपत्नीत्व का समर्थन करने वाले कानून अनुच्छेद 25 का उल्लंघन नहीं करते हैं।

मादा हिमालयन काला भालू चमेली की दिल का दौरा पड़ने से मौत

लखनऊ। लखनऊ चिड़ियाघर में एक मादा भालू चमेली की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार लखनऊ चिड़ियाघर में हिमालयन काला भालू की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। यहां गौरतलब है कि पिछले दिनों जहां बबबर शेर पृथ्वी, चिपाजी जैसन के साथ ही मादा शतुरमुर्ग ने हाल ही में दम तोड़ दिया था। इसका गम अभी लखनऊ चिड़ियाघर और संश्लेषक भूल भी नहीं पाए थे कि शनिवार को मादा हिमालय काला भालू चमेली ने भी लखनऊ चिड़ियाघर को अलविदा कह दिया। चमेली के जाने से नवाब वाजिद अली शाह चिड़ियाघर में एक बार फिर से मायूसी छा गई है। लखनऊ चिड़ियाघर की निदेशक अदिति शर्मा ने बताया कि यह मादा भालू दर्शकों में काफी लोकप्रिय थी। इस मादा भालू ने पिछले एक दिन से अवाक खाना पीना छोड़ दिया था, जिसकी वजह से उसे लखनऊ चिड़ियाघर में ही बने हुए अस्पताल में रखकर इलाज किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि इसके बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की थी लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। मादा हिमालयन काला भालू चमेली को वीना कमल मोबाइल जू टुंदावन मयुरा से जब कर 3 मार्च 1998 को लखनऊ चिड़ियाघर लाया गया था। वर्तमान में चमेली की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच में थी। उन्होंने बताया कि चमेली के पोस्टमार्टम में मृत्यु का कारण बुढ़ापे की वजह से दिल का दौरा आना बताया गया है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 7 सितंबर तक हो सकती है भारी बारिश : आईएमडी

– छत्तीसगढ़ में 4 से 7 सितंबर तक, मध्य प्रदेश में 7 सितंबर को भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 3 सितंबर के लिए अपना पूर्वानुमान जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक असम और मेघालय के साथ-साथ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक इन दोनों राज्यों में 6 सितंबर तक बारिश का दौर रहेगा। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 4 से 7 सितंबर तक और मध्य प्रदेश में 7 सितंबर को अलग-अलग जगहों पर भारी होने की पूरी संभावना है। साथ ही विदर्भ में 5-7 सितंबर तक बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, महाराष्ट्र में 3 से 7 सितंबर तक हल्की से भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान बिजली गिरने की भी संभावना है। हिमालय प्रदेश में अपादा प्रभावित इमारतों और सड़कों के पुनर्निर्माण को छोड़कर किसी भी प्रकार की निजी विकास और निर्माण गतिविधि के लिए पहाड़ी काटने पर 16 सितंबर तक दो सप्ताह के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने हाल ही में यह जानकारी दी। इसके अलावा शिमला, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा, सोलन और चंबा जिलों में वाणिज्यिक या पर्यटन इकाइयों के लिए योजना और भवन निर्माण की नई अनुमति पर भी दो सप्ताह के लिए रोक लगा दी गई है। प्रवक्ता ने कहा कि चालू मानसून के मौसम के दौरान, राज्य भर में विनाशकारी भूस्खलन, भूमि धंसाव, नदी-तट विफलता और गंभीरी कटाव सहित अभूतपूर्व पर्यावरणीय बाधाएं आई हैं। इससे जीवन और संपत्तियों की दुखद क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन, आवास, बुनियादी ढांचे के लिए अत्यधिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और पहाड़ी राज्य के नाजुक पारिस्थितिक पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और उल्लंघन से कानून के मुताबिक निपटा जाएगा।

जी20 शिखर सम्मेलन से प्रभावित होंगी 300 से अधिक इंटरसिटी, एक्सप्रेस ट्रेनें

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने कहा है कि जी20 शिखर सम्मेलन से 300 से अधिक इंटरसिटी और एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित होंगी। रेलवे ने उन ट्रेनों की सूची जारी की है, जिनका परिचालन दिल्ली में नौ-दस सितंबर को होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के कारण प्रभावित रहेगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए जारी परामर्श के मद्देनजर इन ट्रेनों को आठ से 11 सितंबर के बीच या तो रद्द कर दिया गया है या फिर इनके मार्ग या गंतव्य स्थान में परिवर्तन किया गया है। रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक, यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए जम्मूवी-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, तेजस राजधानी इंटरसिटी निजामुद्दीन एक्सप्रेस, वाराणसी-नयी दिल्ली एक्सप्रेस सहित 70 ट्रेन के रूटने के लिए अतिरिक्त स्टेशन निर्धारित किए गए हैं। रेलवे द्वारा जारी बयान के अनुसार, 36 ट्रेन के प्रस्थान एवं गंतव्य स्टेशन को बदल दिया गया है। इसमें बताया गया है कि जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान तीन ट्रेन दिल्ली के किशनगंज रेलवे स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि जिन लोगों ने उक्त अवधि में यात्रा की योजना बनाई है, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए पहले से ही ट्रेन के समय और मार्गों की जांच कर लें।

जहरीली शराब पीने से बिहार में 2 की मौत, 1 की हालत गंभीर

पश्चिमी चंपारण। बिहार में एक बार फिर जहरीली शराब ने दो लोगों की जान ले ली, जबकि एक अस्पताल में भर्ती है। बेतिया जिले से मिली खबर के अनुसार मझौलिया थाना क्षेत्र के लाल सरैया में दो व्यक्ति की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतकों में अशोक शाह और किशोरी साह का नाम था। मिल है जो लाल सरैया के बार्ड नंबर 5 के रहने वाले हैं। परिजनों के मुताबिक शराब पीने से उनकी मौत हुई है। वहीं लालसरैया के ही संजय पासवान के पुत्र आशु पासवान को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए जीएमसीएच में मझौलिया पुलिस ने भर्ती कराया है। प्रशासन की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है। प्रशासन की ओर से मौत के कारणों की पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन परिजनों ने कहा है कि सभी एक साथ बखरिया घांगड़ टोली में शराब पीकर लौटे थे। बेतिया के लालसरैया गांव में जहरीली शराब से हुई मौत के बाद मृतक अशोक साह और किशोरी साह का परिवार मातम में है। वहीं आशु पासवान की गंभीर स्थिति में जीएमसीएच में इलाज चल रहा है। आशु की दादी प्रभावती देवी ने कहा कि तीनों ने एक साथ शराब पी थी। मृतक किशोरी साह के प्रपंचित से शराब की थैली भी मिली है जिसे परिजन दिखाकर दवा कर रहे हैं कि उनकी मौत शराब पीने से ही हुई है।

कर्नाटक कांग्रेस सरकार की मुफ्त सुविधाओं के चलते भाजपा डगमगाई

–देश के लिए रोल मॉडल बन रही गारंटी याजनाएं, पीएम मोदी ने की खिलाफत

बेंगलुरु (एजेंसी)। एक ओर जहां कर्नाटक की कांग्रेस सरकार मुफ्त सुविधाएं लागू करके भाजपा के कदम डगमगाने को मजबूर कर रही है, वहीं दूसरी ओर पीएम मोदी इन योजनाओं की खिलाफत करके प्रदेश को दिवालिया बनाने की ओर अग्रसर बता रहे हैं। कहा जा रहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी कल्याण योजना कहीं जाने वाली गृह लक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन के बाद कर्नाटक कांग्रेस सरकार सातवें आसमान पर है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 1.15 करोड़ महिला परिवार प्रत्यक्ष रूप से 2,000 रुपये मासिक भत्ता दिया गया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वादा किया है कि ये मुफ्त योजनाओं को लागू करने के अपने वादे पर काम रहेंगे। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि गृह ज्योति मुफ्त बिजली योजना 1.56 करोड़ परिवारों तक पहुंच गई है और उनका बिजली बिल ज़ीरो है, 48.5 करोड़ बार महिलाओं ने शक्ति योजना के तहत बसों में मुफ्त यात्रा की है और 1.39 करोड़ परिवारों को अन्न भाग्य मुफ्त चावल



कार्यक्रम से लाभ हुआ है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि युवा निधि कार्यक्रम जिसके तहत बेरोजगार स्नातकों, डिप्लोमा धारकों को क्रमशः 2,000 रुपये और 1,500 रुपये का मासिक भत्ता मिलेगा, जल्द ही लॉन्च किया जाएगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि कर्नाटक में शुरू की गई गारंटी योजनाएं देश के लिए रोल मॉडल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन्हें देश के बाकी हिस्सों में भी दोहराया जाएगा। कांग्रेस कर्नाटक में अपना दबदबा कायम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है क्योंकि बीजेपी अंदरूनी कलह में फंसी हुई है। हालांकि, समाज के एक वर्ग में चिंताएं व्यक्त की गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

कर्नाटक में लागू गारंटी योजनाओं का विशेष उल्लेख किया है और चेतावनी दी है कि ये योजनाएं राज्य को दिवालियापन की ओर ले जाएंगी। भाजपा के राज्य मीडिया समन्वयक करुणाकर कसाले ने बताया कि गारंटी योजनाओं को पूर्ण पैमाने पर लागू नहीं किया गया है।

उन्होंने शिकायत की कि राज्य के स्वामित्व वाली बसों के कंडक्टर और ड्राइवर अपने वेतन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से एक किलोमीटर भी सड़क नहीं बनाई गई है। कोई विकास नहीं हुआ। सीमेंट, जैली स्टोन, लूज रेत की खरीद बंद कर दी गई है।

कसाले ने कहा कि एक मजदूर प्रति माह 15,000 रुपये आसानी से कमा सकता है। विकास परियोजनाएं रुकने से उन्हें 2,000 रुपये मासिक भत्ते से संतुष्ट होना पड़ेगा। राजनीतिक विश्लेषक चक्रबसप्पा रुद्रप्पा ने बताया कि राज्य में मुफ्त योजनाएं अच्छे प्रदर्शन कर रही हैं। कांग्रेस नेतृत्व गारंटी योजनाओं को लागू करने में गंभीरता से लगा हुआ है। कर्नाटक में हर तीसरे घर को किसी न किसी योजना से लाभ हुआ है।

स्टालिन के बयान पर भड़के नड्डा, घमंडिया गठबंधन संस्कृति पर कर रहा कुठाराघात

भोपाल (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि घमंडिया गठबंधन संस्कृति पर कुठाराघात कर रहा है। उन्होंने यह बात उदयनिधि स्टालिन के उस बयान पर कही है, जिसमें उन्होंने सनातन धर्म को समाप्त करने की बात कही है। बता दें कि मध्य प्रदेश के चित्रकूट में बीजेपी ने 3 सितंबर को जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ किया। इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हुए। वे यहां इंडिया गठबंधन पर जमकर भड़के। उन्होंने कहा, अभी घमंडिया गठबंधन के लोग मुंबई में मिले थे। एक ओर हम भारत को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं, एक ओर ही जयजयकार हो रही है, दूसरी तरफ घमंडिया गठबंधन हमारी संस्कृति पर चोट पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि इंडिया के घटक दल डीएमके के नेता के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को समाप्त करने की बात कही है। उसने कहा है कि मच्छर की तरह सनातन को खत्म कर दो, हिन्दू धर्म को खत्म कर दो। उदयनिधि स्टालिन ने ये बात तब कही जब मुम्बई में घमंडिया गठबंधन की बैठक चल रही थी।



जेपी नड्डा ने कहा कि मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूँ कि क्या यह है आपकी मोहब्बत की दुकान। आपकी मोहब्बत की दुकान नफरत फैला रही है। क्या आने वाले चुनाव में घमंडिया गठबंधन सनातन धर्म को खत्म करने के एजेंडे पर आगे बढ़ेगा। इस दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने आवास योजना को लिस्ट दिखी भेजी ही नहीं थी, लेकिन सीएम शिवराज सिंह ने लिस्ट भेजी थी और ज्यादा से ज्यादा आवास मग्न में बनवाए। नड्डा ने जनता से पूछा कि भाजपा को मध्य प्रदेश में आशीर्वाद देगे कि नहीं। उन्होंने कहा कि हम ये जनआशीर्वाद यात्रा कई सालों की मेहनत और तपस्या को लेकर निकाल रहे हैं।

इस मौके पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये भगवान राम की भूमि है। ऐसा जयकारा लगाओ कि पूरे मग्न को पता चल जाए कि जन आशीर्वाद यात्रा निकल रही है। संघर्ष का शंख फूंक दिया है। राम जी की हम पर बहुत कृपा है, तभी हमें संतो के सानिध्य मिल रहा है। आपने 2003, 2008, 2013 और 2018 में भी विंधी की जनता का हमें भरपूर आशीर्वाद मिला था। पीएम नरेंद्र मोदी केवल भारत के नहीं बल्कि विश्व के नेता हैं। उन्होंने जनता से पूछा कि महगवां के लोगों भाजपा और कांग्रेस का बीच का अंतर बताओ।

शरिया लागू कर इस्लामिक स्टेट बनाना चाहती है नीतीश सरकार : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि पूरे बिहार के स्कूलों में कटौती कर राज्य की नीतीश सरकार शरिया लागू कर इस्लामिक स्टेट स्थापित करना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बेगूसराय से सांसद ने यह टिप्पणी अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में अलग प्रदर्शन के दौरान की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला जलाया। गिरिराज सिंह ने कहा कि यह बच्चों को सनातन संस्कृति से विरक्त करने की कोशिश है ताकि वे हरितालिका तीज, जन्माष्टमी और नवरात्रि जैसे त्योहारों के प्रति अनजान बन रहे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार को चुनौती देता हूँ कि वह मुस्लिम त्योहारों पर होने वाली छुट्टियों में कटौती करके दिखाए। वह हिंदुओं की भावनाओं से खेलने का हासला करती है क्योंकि यह समुदाय जातियों में बंटा है।

इस मौके पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये भगवान राम की भूमि है। ऐसा जयकारा लगाओ कि पूरे मग्न को पता चल जाए कि जन आशीर्वाद यात्रा निकल रही है। संघर्ष का शंख फूंक दिया है। राम जी की हम पर बहुत कृपा है, तभी हमें संतो के सानिध्य मिल रहा है। आपने 2003, 2008, 2013 और 2018 में भी विंधी की जनता का हमें भरपूर आशीर्वाद मिला था। पीएम नरेंद्र मोदी केवल भारत के नहीं बल्कि विश्व के नेता हैं। उन्होंने जनता से पूछा कि महगवां के लोगों भाजपा और कांग्रेस का बीच का अंतर बताओ।

आप सरकार ने नौ साल काम किया होता, तो इतने प्रयासों की जरूरत नहीं होती: सक्सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती हैं। उनको सोने में इंफेक्शन की शिकायत के बाद कल शाम दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल ने कहा है कि वह कुछ समय से सोने में इंफेक्शन की शिकायत कर रही थीं और उन्हें नियमित जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हाल ही में सोनिया गांधी निजी यात्रा पर श्रीनगर पहुंची थीं। जबकि उनके बेटे राहुल गांधी एक दिन पहले ही अपने एक हफ्ते के लखनऊ दौरे के बाद वहां पहुंचे थे। श्रीनगर पहुंचने के तुरंत बाद सोनिया ने वहां निगीन झील का दौरा किया और नाव की सवारी का आनंद लिया।

– मुख्यमंत्री केजरीवाल जी-20 की एक बैठक में शामिल हुए, उनका कोई मंत्री नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि यदि शहर की सरकार ने पिछले नौ साल काम किया होता तो राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों के लिए इस समय इतने प्रयास नहीं करने पड़ते। सक्सेना ने एक साक्षात्कार में कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जी-20 तैयारियों की केवल एक बैठक में हिस्सा लिया और आम आदमी पार्टी (आप) सरकार का कोई अन्य मंत्री किसी बैठक में शामिल नहीं हुआ। सौदर्यिकरण के तहत पालम हवाई अड्डे के टर्मिनल एरिया में लागू एयर शिफ्टिंग की आकृति के फव्वारों को लेकर 'आप' नेताओं की आलोचनाओं का जवाब देते हुए सक्सेना ने कहा कि यदि उन्हें किसी कलाकृति में इश्वर नजर आता है, तो यह अच्छी बात है। शहर में शिखर सम्मेलन से संबंधित परियोजनाओं का निरीक्षण करने के लिए दिल्ली के मंत्री क्षेत्रीय दौर कर रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केजरीवाल सरकार पर इस समारोह से पहले केंद्र द्वारा किए गए कार्यों का श्रेय लेने



का आरोप लगा रही है। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच वाक्ययुद्ध छिड़ गया है। जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों में दिल्ली सरकार की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर सक्सेना ने कहा कि पिछले दो महीने में किए गए कार्यों से यह साबित हो गया है कि यदि उन्होंने (आप ने) पूरे नौ साल काम किया होता, तो अपेक्षाकृत कम प्रयासों की आवश्यकता होती। उपराज्यपाल से जब सवाल किया गया कि जी-20 की तैयारियों संबंधी बैठक में दिल्ली सरकार के मंत्री नजर क्यों नहीं आए और क्या उन्हें इन बैठकों के लिए आमंत्रित किया गया था, सक्सेना ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी-20 की एक बैठक में शामिल हुए थे, लेकिन इसके बाद कोई नहीं आया। मुझे लगता है कि हमें मिलकर काम करना चाहिए, लेकिन मुझे कोई शिकायत नहीं है। उपराज्यपाल ने तैयारियों संबंधी कार्यों में 'आप' सरकार और उनके बीच

ज्ञानवापी मस्जिद सर्वेक्षण पूरा करने के लिए एएसआई ने आठ सप्ताह और मांगे

वाराणसी। एएसआई ने कहा है कि अभी ज्ञानवापी सर्वेक्षण में आठ सप्ताह और लगेंगे। मिली जानकारी के अनुसार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने वाराणसी की एक अदालत में एक आवेदन दायर कर ज्ञानवापी मस्जिद सर्वेक्षण की अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए आठ सप्ताह का और समय मांगा है। इसकी समय सीमा दो सितंबर को समाप्त हो गई। एएसआई 4 अगस्त से ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सीलबंद हिस्से को छोड़कर बैरिदके वाले क्षेत्र में सर्वेक्षण कर रहा है। एएसआई की ओर से भारत सरकार के स्थायी सरकारी वकील अमित कुमार श्रीवास्तव ने अर्जी दाखिल की। श्रीवास्तव ने कहा, कि हमने अदालत से प्रार्थना की है कि ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण की रिपोर्ट जमा करने के लिए एएसआई को आठ सप्ताह का और समय दिया जाए, क्योंकि सर्वे अभी चल रहा है। श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा आवेदन अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (प्रथम) की अदालत के समक्ष रखा गया। उ-7होंने मामले को सुनवाई के लिए जिला न्यायाधीश के समक्ष रखने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए कोई तारीख तय नहीं की है। श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी मामले में वादी संख्या 2 से 5 के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि सर्वेक्षण अभी भी चल रहा है। इसलिए, एएसआई ने सर्वेक्षण पूरा करने और रिपोर्ट जमा करने के लिए और समय मांगा है। ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी (एआईएमसी) के वकील मुमताज अहमद ने कहा कि हम इसके खिलाफ आप्रति दर्ज कराएंगे। गौरतलब है कि वाराणसी जिला न्यायाधीश की अदालत के एक आदेश के अनुपालन में, एएसआई ज्ञानवापी मस्जिद में वैज्ञानिक जांच/सर्वेक्षण कर रहा है।

राहुल गांधी ने लालू के साथ चंपारण में लिया मटन का स्वाद

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लालू प्रसाद यादव के साथ चंपारण में मटन का स्वाद लिया, जिसका एक वीडियो कांग्रेस ने जारी किया। दरअसल राहुल गांधी की दिल्ली में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रिमो लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात हुई थी। जिसका एक वीडियो जारी किया, जहां



राहुल गांधी कहते हैं, लेकिन जब अर्थव्यवस्था बेहतर चल रही होती है, तो नफरत का प्रसार सीमित होता है और जब आर्थिक स्थिति खराब होती है, तो यह बढ़ जाता है। जैसे अब, आर्थिक स्थिति खराब है और नफरत फैलाई जा रही है। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, जो मेहमाननवाजी के लिए मौजूद थे, उन्होंने कहा, मेवात में क्या हुआ, लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। सब कुछ बंद हो गया, स्कूल बंद हो गए। लालू प्रसाद यादव ने राहुल गांधी से कहा, आपके माता-पिता और दादा-दादी देश को अच्छे रखने पर ले गए, आज की पीढ़ी को यह नहीं भूलना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों का दौरा किया है। जिसके अनेक वीडियो जारी किए गए हैं।

सरथाणा में आंगड़िया फर्म के कर्मचारी से करोड़ों के हीरे चुराकर फरार लुटेरे, वापी से चार गिरफ्तार

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सरथाणा इलाके में सुबह-सुबह आए लुटेरों ने गुजरात आंगड़िया फर्म के कर्मचारी को रिवॉल्वर के बल पर बंधक बना लिया और करोड़ों रूप के हीरों से भरा बैग लूटकर भाग गए। हालांकि हीरों से भरे बैग में जीपीएस सिस्टम होने के कारण सूरत पुलिस ने लुटेरों का पीछा किया

और वलसाड पुलिस को मदद से चार लुटेरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। सुबह गुजरात की आंगड़िया फर्म का एक कर्मचारी सूरत की ४५ से ज्यादा हीरा कंपनियों के करोड़ों रूप के हीरे लेकर मुंबई के लिए खाना हो रहे थे उस समय घटना बनी।

इसी बीच सरथाणा इलाके में लुटेरों ने आंगड़िया फर्म के एक कर्मचारी को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया और हीरों से भरा बैग

गुजरात की आंगड़िया फर्म का कर्मचारी मुंबई जाने के लिए निकल रहे थे उस समय लुट किया, वलसाड पुलिस ने हीरों से भरे बैग में जीपीएस सिस्टम के आधार पर लुटेरों को वापी से पकड़ लिया।

लूटकर भाग गए। आंगड़िया फर्म के एक कर्मचारी ने तुरंत पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना दी और सरथाणा पुलिस सहित

दिया, जिसमें आंगड़िया फर्म ने बताया था कि बैग में जीपीएस सिस्टम लगा हुआ है।

चूंकि लुटेरे अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर मुंबई की ओर जा रहे थे, उन्होंने तुरंत वलसाड पुलिस को सूचित किया। वलसाड पुलिस ने वापी से लुटेरों के गिरोह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि पुलिस ने अभी तक इस बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

12 साल की लड़की को 20 साल के लड़के ने भगाया, कपड़े पहने उसे साड़ी पहनाई और मांग में सिन्दूर लगाया

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में रहने वाली एक विधवा के घर में किरायेदार के रूप में रहने वाले 20 वर्षीय युवक ने विधवा की चौथी कक्षा में पढ़ने वाली 12 वर्षीय लड़की को भगाया और उसकी सहेली को कड़ोदरा ले गया और वहां कपड़े पहने उसे साड़ी पहनाई और मांग में सिन्दूर लगाया। बाद में युवक ने अपने भाई को मैसेज भी भेजा कि उसने रात में लड़की से शादी कर ली है। उसने धमकी भी दी। पुलिस सूतों से मिली जानकारी के अनुसार, डिंडोली क्षेत्र की 47 वर्षीय विधवा महिला की 12 वर्षीय बेटी रीना (बदला हुआ नाम) मूल रूप से बिहार की रहने वाली है और

चार साल पहले अपने पति की मौत के बाद चार बच्चों की देखभाल कर रही थी। पहले नवगाम इलाके के एक स्कूल में अंग्रेजी माध्यम से कक्षा 4 में पढ़ रही है। गत 31 जुलाई की दोपहर को वह जांच के लिए डिंडोली पुलिस के साथ गई थी, जब वह घर से कहीं जा रही थी और बिहार के मूल निवासी 20 वर्षीय राजीव मिथिलेश सिंह के साथ कड़ोदरा में मिथिलेश के दोस्त धर्मेज के घर पर उनसे मिली। जो वहां किरायेदार के रूप में रहता था। मिथिलेश ने उसे सामान देने के बहाने भगा दिया। बाद में वह सहेली के घर पहुंचा और उसे साड़ी पहनाकर उसकी मांग में सिन्दूर भर दिया। बाद में मिथिलेश ने उसे बताया कि उसने रीना से शादी कर ली है, गंदी तस्वीरें लीं और उसके भाई को मैसेज

भेजकर धमकी दी।

विधवा ने तब शिकायत नहीं की। समय। लेकिन मिथिलेश धमकी देता

रहा और रीना की तस्वीरें वायरल हो गईं, विधवा ने आखिरकार डिंडोली पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ

शिकायत दर्ज कराई। पता चला है कि मिथिलेश अब अपने मूल बिहार भाग गया है।

द्वारकाधीश के दर्शनार्थियों के लिए खास एप लॉन्च, एक क्लिक में मिलेगी कई जानकारियां

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

देवभूमि द्वारका, आगामी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को ध्यान में रखते हुए देवभूमि द्वारका जिला पुलिस ने दर्शनार्थियों के लिए एक खास एप्लिकेशन लॉन्च की है। जिसमें एक क्लिक में पार्किंग और वन वे समेत अन्य जानकारियां उपलब्ध होंगी। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर देवभूमि द्वारका स्थित भगवान द्वारकाधीश के मंदिर में देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। आगामी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर भी श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए देवभूमि द्वारका

जिला पुलिस ने जन उपयोगी एप लॉन्च की है। इस एप में भगवान द्वारकाधीश के दर्शन के समय से लेकर पार्किंग, वन वे जैसी सभी जानकारियां लोगों को सरलता से मिलेगी। द्वारकाधीश के दर्शन करने आनेवाले लाखों को दर्शनार्थियों के लिए काफी मददस्व होगा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर देवभूमि द्वारका में जबदस्त तैयारियां की जा रही हैं। द्वारका की गलियां और मुख्य सड़कों समेत भगवान द्वारकाधीश का मंदिर रोशनी से जगमगाने लगा है। देवभूमि द्वारका में 7 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। सुबह 6 बजे मंगला आरती होगी और उसके बाद 6 से 8 बजे तक मंगला

दर्शन किए जा सकेंगे। सुबह 8 से 10 बजे तक स्नान दर्शन अभिषेक, 10 बजे स्नान भोग, 10.30 बजे श्रृंगार भोग, 11 बजे श्रृंगार आरती, 11.15 बजे ग्वाल भोग, 12 श्रीजी के राजभोग दर्शन, दोपहर 1 से सायं 5 बजे तक मंदिर के कपाट बंद रहेंगे। सायं 5 बजे भगवान द्वारकाधीश के उत्थापन दर्शन, 5.30 बजे उत्थापन भोग, 7.30 बजे संध्या भोग, 7.45 बजे संध्या आरती, रात 8 बजे शयन भोग, 8.30 बजे शयन आरती के दर्शन, रात 9 बजे श्रीजी अनोसर मंदिर बंद और रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा जो 2.30 बजे जारी रहेगा।

मासूम बच्चे के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मोरबी, खाने की वस्तु दिलाने की लालच देकर एक युवक ने मासूम बच्चे के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित बच्चे की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज मामले की जांच शुरू की है। घटना मोरबी जिले

के हलवद की है। हलवद में रहनेवाला अक्षय रमेश कोली नामक युवक एक मासूम बच्चे को खाने की वस्तु दिलाने की लालच देकर अपने साथ ले गया था। बच्चे ने जब घर छोड़ने की बात की तब क्षय उसे बबूल की झाड़ियों ले गया। जहां उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। घटना के बाद घर लौटे बच्चे के पिछले हिस्से में दर्द होने पर उसने अपनी माता को अक्षय कोली की करतूत बयां कर दी।

जिसे सुनकर पूरा परिवार चौंक पड़ा। जिसके बाद पहले बच्चे को हलवद और बाद में मोरबी के सिविल अस्पताल ले जाया गया। साथ ही घटना की जानकारी हलवद पुलिस को दी गई। मोरबी पुलिस हलवद पुलिस ने पीड़ित बच्चे के परिजन की शिकायत के आधार पर अक्षय कोली के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी अक्षय को गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया है।

वृद्ध महंत की आवाज सुन किनारे आ जाता है मगरमच्छ और उनके हाथ से खाता खाद्यवस्तुएं

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गिर सोमनाथ, मगरमच्छ एक हिंसक प्राणी है, जिसके करीब जाने की कोई हिम्मत नहीं कर सकता। लेकिन गिर सोमनाथ जिले में एक ऐसे वृद्ध हैं जिनकी आवाज सुनकर मगरमच्छ नदी किनारे पहुंच जाता है और उसके बाद वृद्ध के हाथों से खाद्य वस्तुएं खाता है। चौकानेवाली इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है,

जिसमें एक मंदिर के वृद्ध महंत नदी किनारे पहुंचकर शीतल-शीतल की आवाज लगाते हैं। यह आवाज सुनकर मगरमच्छ किनारे पहुंच जाता है। हालांकि वीडियो पुराना है, जो अभी वायरल हुआ है। यह वीडियो गिर सोमनाथ जिले की वेरावल तहसील के सवनी गांव का है। सवनी गांव के निकट खोडियार माता जी का मंदिर है। जीवा भगत नामक वृद्ध महंत मंदिर में सेवा-पूजा करते हैं। महंत प्रति दिन नदी के मगरमच्छ को गांठिया, सेवममरा समेत

अन्य खाद्य वस्तुएं खिलाने जाते हैं। नदी पर पहुंचकर महंत शीतल-शीतल की आवाज लगाते हैं। जिसे सुनकर नदी में तैरता हुआ मगरमच्छ वहां पहुंच जाता है, महंत उसका इंतजार करते हैं। मगरमच्छ के करीब पहुंचते ही महंत अपने हाथों से उसे खाद्यवस्तुएं खिलाने हैं। बताया जा है कि रोज की भांति महंत नदी में मछलियों को खिला रहे थे, उस वक्त अचानक एक मगरमच्छ उनके पास पहुंच गया। उसी दिन से महंत मगरमच्छ को खाद्यवस्तुएं खिलाने लगे।

अपनी कृषि फसलों को लेकर चिंतित किसानों के लिए अच्छी खबर, आगामी शुक्रवार से बारिश की संभावना

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद, बारिश में विलंब को लेकर गुजरात के किसान अपनी कृषि फसलों को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में मौसम विभाग से किसानों के

लिए अच्छी खबर सामने आई है। जिसके मुताबिक आगामी 8 सितंबर गुजरात के कई हिस्सों में हलके से भारी बारिश हो सकती है। खासकर दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में ज्यादा बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर बनने से दक्षिण

गुजरात के भस्व, सूरत, वलसाड, डांग, नवसारी और नर्मदा में बारिश की संभावना है। वहीं सौराष्ट्र के भावनगर, अमरेली, गिर सोमनाथ और दीव में बारिश हो सकती है। इसके अलावा अहमदाबाद, दाहोद, खेडा, आणंद और पंचमहल में आगामी दिनों में बारिश की संभावना है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएं
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा, वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार
संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरो
और अन्य शहर, ग्राम में पत्रकारों

की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते हैं

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com